RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 द रॉयल्स के लिए भूमि पेडनेकर...

वर्ष : 27 अंक : 150 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 21 मई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

डांस को लेकर झगड़ा, नोएडा के इंजीनियर की कार से कुचलकर हत्या

नोएडा से बागपत गया था दोस्त की शादी में

बागपत (एजेंसी)। बागपत में शादी के दौरान एक दर्दनाक घटना हुई है। बारात चढ़त पर नाचते हुए हाथ लगने पर दूल्हे के रिश्तेदार ने एक इंजीनियर से मारपीट की और फिर कार से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। घटना में इंजीनियर के दो साथी भी घायल हो गये। आरोपित अपने स्वजन को कार में बिठाकर आराम से फरार हो गया। घटना से शादी समारोह में अफरातफरी मच गई। अभी इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

जानकारी के मुताबिक अहिरान मुहल्ला निवासी वीरपाल का (29 वर्षीय) बड़ा बेटा मोहित नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर था। मोहित के छोटे भाई भानु ने बताया कि सोमवार रात मोहित मुहल्ला निवासी दोस्त विशाल की शादी में शामिल होने पाठशाला रोड स्थित श्यामला फार्म हाउस में गया था। मोहित चढ़त में अन्य लोगों के साथ नाच रहा था। नाचते हुए मोहित का हाथ दूल्हे के रिश्तेदार को लग गया। आरोपित ने मोहित से मारपीट कर दी। मोहित व उसके साथी ने विरोध किया तो आरोपित मोहित को खींचकर बिजलीघर के पास गली में ले गए।

यहां आरोपितों ने मोहित से जमकर मारपीट की। लोगों ने बीच-बचाव कराया तो आरोपित ने गोली मारने की धमकी दी। दूल्हे के स्वजन ने दोनों पक्ष को अलग कर दिया। मोहित साथियों को बुलाकर कार में बैठकर घर जाने लगा। आरोप है कि तभी आरोपित ने अपनी ब्रेजा कार से उनकी कार में टक्कर मार दी। इस पर मोहित व अन्य सवार बाहर निकले तो आरोपित कार वापस लेकर लाया। उसने कार से मोहित, दीपक व लक्की को टक्कर मार दी।

कार की टक्कर से युवक लहूलुहान होकर गिर गए। आरोपित ने कार से कई बार मार्ग पर पड़े मोहित को कुचल दिया और फरार हो गया। दोस्त मोहित को जिला अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन ने लक्की व दीपक को बड़ौत के अस्पताल में भर्ती कराया।

कोतवाली प्रभारी कैलाश चंद्र का कहना है कि अभी घटना की तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मोहित की तीन साल पहले शादी हुई थी। उसे कोई संतान नहीं है। रात में स्वजन को सिर्फ दुर्घटना की जानकारी दी गई थी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

छत्तीसगढ़ में 30 नक्सली ढेर

नारायणपुर जिले में माओवादियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबल यहां एक बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। जवानों ने माओवादियों की एक बड़ी टीम को घेर लिया है। सुबह से चल रही फायरिंग में 30 से ज्यादा माओवादियों के मारे जाने की सूचना सामने आ रही है। बताया जा रहा है इस मुठभेड़ में एक जवान भी शहीद हो गया है।

जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ अबूझमाड़ के जाटलूर इलाके में चल रही है। अभी मुठभेड़ की शुरुआती जानकारी ही सामने आई है। सुरक्षाबलों को इसमें बड़ी सफलता मिल सकती है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार के मुताबिक माओवादियों के माड़ डिवीजन के बड़े कैडर की सूचना मिलने पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव का अबूझमाड़ में ऑपरेशन चलाया है। बुधवार सुबह से मुठभेड़ जारी है। फिलहाल घटना की जांच जारी है। इस मुठभेड़ में 30 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के बड़े नेताओं को भी घेर लिया है। वहीं इससे कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा के जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षा बलों ने सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था।

तलाशी अभियान और मुठभेड़ जारी है। पुलिस अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों के हजारों की संख्या में जवान ऑपरेशन पर हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दंपति को मारी टक्कर, पति की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ है। निलौनी गांव के पास मॉर्निंग वॉक पर निकले दंपति को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दंपत्ति घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने पति को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक निलोनी गांव के पास मोर्निंग वॉक पर निकले तेजपाल (50 वर्षीय) और उनकी पत्नी सुनहरी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दंपति को ग्रेटर नोएडा के राजकीय आर्युविज्ञान संस्थान (जिम्स) में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने तेजपाल को मृत घोषित कर दिया। सुनहरी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। परिवार का आरोप है कि वाहन चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ। टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि वाहन के नंबर की पहचान कर जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज 34वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली के वीर भूमि पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री तथा भारत रत्न से विभूषित राजीव गांधी की आज पूरे देश में 34वीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है। इसी के तहत आज नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी ने भी सुल्तानपुर गांव में चौपाल आयोजित कर राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस नेता राजकुमार त्यागी के आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि देश में मिली कंप्यूटर क्रांति तथा आरटीआई एक्ट का अधिकार राजीव गांधी की ही देन है। वे भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते थे। डिजिटल क्रांति का सूत्रपात भी उनके कार्यकाल में हुआ था।

देश ऐसे प्रधानमंत्री पर हमेशा गौरवान्वित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायतीराज सशक्तिकरण के सूत्रधार एवं युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का हक देने वाले राजीव गांधी हर वर्ग के चहेते थे। इस मौके पर अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी राजीव गांधी के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुकेश यादव, पवन शर्मा, दिनेश अवाना, राजकुमार त्यागी, लियाकत चौधरी, यतेंद्र शर्मा,चरण सिंह यादव, राजकुमार भारती, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गोली लगते ही बदमाश बोला 'अब नहीं करूंगा लूट'

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेज-1 पुलिस ने बुधवार तड़के एक मुठभेड़ के दौरान शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक तथा तमंचा व कारतूस बरामद किया है। पुलिस की गोली से घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्साल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार तड़के नोएडा से दिल्ली की तरफ जाने वाले रास्ते पर गंदे नाले के पास संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की रूटीन चेकिंग की जा रही थी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

चार जिलों के डीएम सहित 14 आईएएस के तबादले

लखनऊ (एजेंसी)। शासन ने मंगलवार देर रात हरदोई, बलिया, महराजगंज और पीलीभीत के डीएम समेत 14 आईएएस और 6 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। अपर मुख्य सचिव, वित्त, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार को वर्तमान पदों के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अब तक यह अतिरिक्त प्रभार मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के पास था।

हरदोई के डीएम मंगला प्रसाद

सिंह को बलिया का डीएम और बलिया के डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार को संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय बनाया गया है। महराजगंज के डीएम अनुनय झा को हरदोई का डीएम और अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अयोध्या **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सरकार ने 6 पीसीएस भी बदले

इसके अलावा 6 पीसीएस अधिकारियों के भी ट्रांसफर किए गए हैं। स्थानांतरित छह पीसीएस अफसरों में प्रकाश चंद्र एडीएम प्रोटोकॉल एवं कानून-व्यवस्था वाराणसी को एडीएम न्यायिक हाथरस, शिव नारायण एडीएम न्यायिक हाथरस को एडीएम न्यायिक बागपत बनाया गया है। विनीत कुमार सिंह एडीएम वित्त एवं राजस्व गोरखपुर को एडीएम नगर गाजियाबाद, हिमांशु वर्मा नगर मजिस्ट्रेट गोरखपुर को एडीएम वित्त एवं राजस्व गोरखपुर, उत्कर्ष श्रीवास्तव एसडीएम संतकबीरनगर को नगर मजिस्ट्रेट गोरखपुर, अलंकार अग्निहोत्री सहायक नगर आयुक्त लखनऊ को नगर मजिस्ट्रेट बरेली बनाया गया है।

ज्वैलर्स की दुकान में लूट करने वाले बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम पूजा कालोनी सोम बाजार में मनीष ज्वैलर्स की दुकान में घुसकर पिस्टल की नोक पर लूट करने वाले 3 बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है।

थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बिना नम्बर प्लेट अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार बदमाश कमर पर पिट्ठू बैग टंगे हुए हैं लूटे हुए माल को बागपत बेचने जाने वाले हैं। सूचना पर गेट न0 2 ट्रोनिका सिटी के सामने बैरियर लगाकर चैकिंग प्रारम्भ की गई मोटरसाइकिल सवार बदमाश कुछ समय बाद पुस्ता लोनी की तरफ से काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट पर आते हुऐ दिखाई दिये पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया परन्तु नही रुके और कट मारकर तेजी से बागपत रोड की तरफ भागने लगे। मण्डोला की तरफ से आ रही पीसी 46 मोबाइल एवं पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया। बदमाशों ने अपने आपको घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सांसद ने जनता से जुड़ी समस्याओं के समाधान का उठाया बीड़ा

डॉ. महेश शर्मा के प्रयासों से खुर्जा में ठहरेगी वंदे भारत

रेल मंत्री को सौंपा कई रेलवे स्टेशन से जुड़ी समस्याओं का मांग पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा ने अपने लोकसभा क्षेत्र की जनता के हित में रेल सेवाओं से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान का बीड़ा उठा लिया है। इसी के तहत जहां उन्होंने केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव से पहल करके खुर्जा रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से अयोध्या जाने वाली वंदे भारत का ठहराव मंजूर कर लिया है। वहीं दादरी मारीपत व बोड़ाकी, गुलावठी, चोला, खुर्जा आदि स्टेशनों पर लोगों से संबंधित कई मांगों को प्रमुखता से समाधान करने का बीड़ा उठाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा सांसद डॉ. महेश शर्मा व विधायक दादरी विधानसभा तेजपाल नागर एवं विधायक खुर्जा विधासभा मीनाक्षी सिंह व गौतमबुद्धनगर क्षेत्रवासियों के प्रतिनिधिमण्डल ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करके खुर्जा स्टेशन में दिल्ली से अयोध्या जाने वाली वंदे भारत ट्रेन के ठहराव की मंजूरी प्रदान करने के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा उनसे अपेक्षा कि वे

क्षेत्र की जनता से जुड़ी विभिन्न रेलवे की अन्य समस्याओं का समाधान भी इसी तरह प्रमुखता से करते रहेंगे।

मालूम हो कि 24 मार्च को सांसद डा. महेश शर्मा एवं गौतमबुद्धनगर क्षेत्रवासियों के प्रतिनिधिमण्डल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से विकास कार्यो के संदर्भ में पत्र प्रेषित किया था, जिसको रेलमंत्री ने संज्ञान में लेते हुए दिल्ली से अयोध्या चलने वाली रेल गाडी वन्दे भारत का ठहराव अब खुर्जा में कर दिया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों के बीच एक नयी उर्जा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निति के प्रति खुशी की नयी लहर दौड गयी।

सांसद ने रेल मंत्री को इस संदर्भ में धन्यावाद प्रेषित करते **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

चीन भी चुनौती

भारत के लिए पाकिस्तान ही सामरिक और आतंकवादी समस्या नहीं है। चीन भी समान चुनौती है। बेशक भारत और चीन आपसी संबंधों को बेहतर बनाने में जुटे हैं। लद्दाख वास्तविक नियंत्रण रेखा वाले युद्ध-क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट चुकी हैं। अमरीकी टैरिफ दबाव के मद्देनजर चीन भारत के साथ व्यापार को बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन चीन चुपचाप पीठ में छुरा घोंपने वाला देश रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने उसे वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें दीं, ड्रोन भी दिए और सैनिक भी पाकिस्तानी फौज के मुखौटे और लिबास में लड़े। पाकिस्तान हमारे लिए शाश्वत चुनौती है। युद्ध के आसार कभी भी बन सकते हैं। हालांकि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की सामरिक तैयारियों को ध्वस्त कर दिया है। उसके प्रमुख एयरबेस इतने तबाह कर दिए हैं कि वहां से किसी भी लड़ाकू विमान का उड़ान भरना नामुमकिन है। उन एयरबेस के पुनर्निर्माण के लिए पाकिस्तानी हुकूमत ने निविदाएं सार्वजनिक की हैं। बेशक वह सामरिक तौर पर तैयार रहना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज की किस्त जारी करने से पहले 11 शर्तें तय की हैं, लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है, जो युद्ध और आतंकवाद को रोकने वाली हो। बेशक आईएमएफ ने विकास पर किए जाने वाले बजटीय खर्च को लेकर सवाल जरूर किए हैं। बहरहाल समस्या भारतीय सेनाओं के यथाशीघ्र आधुनिकीकरण की है, जिसके लिए रक्षा बजट में 26 फीसदी अतिरिक्त पूंजी के आवंटन की घोषणा की गई है। यह 50,000 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद पर्याप्त नहीं है। बेशक भारत का रक्षा बजट 7.30 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है, लेकिन अब भी वह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 1.9 फीसदी ही है। जो भारत की जरूरतें हैं और सामरिक चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर रक्षा बजट जीडीपी का कमोबेश 2.5 फीसदी के बराबर या उससे अधिक होना चाहिए। सामरिक तैयारियां 20-25 साला परियोजना नहीं हो सकती। बजट में जो बढ़ोतरी की गई है, उसका अधिकतम हिस्सा महंगे, विदेशी हथियार और उपकरण खरीदने पर ही खर्च हो सकता है, लेकिन भारत को स्वदेशी रक्षा-उत्पादन तुरंत बढ़ाना चाहिए। उसके मद्देनजर रक्षा-क्षेत्र की निजी कंपनियों को आक्रामक समर्थन और सहयोग देकर रक्षा-खरीद को विस्तार देना बेहद जरूरी है। तुलना पाकिस्तान से नहीं, चीन की रक्षा तैयारियों के साथ करनी चाहिए। हमारी वायुसेना के पास बेहद आक्रामक और सटीक निशाने वाले लड़ाकू विमान हैं, लेकिन उनके दस्तों की संख्या 31 है, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। मौजूदा भारत-पाक संघर्ष में निर्णायक भूमिका हवाई हमलों ने ही निभाई। हालांकि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेनाएं परंपरागत लड़ाई लड़ती रहीं, लेकिन पाकिस्तान की तबाही हमारे लड़ाकू विमानों और सटीक मिसाइलों ने ही तय की। ब्रह्मोस मिसाइल ने तो रिकार्ड्स कायम किए, लिहाजा आज करीब 20 देश हमसे ब्रह्मोस मिसाइल खरीदना चाहते हैं। एस-400, स्वदेशी प्लेटफार्म्स, विमान-रोधी समर और आकाश मिसाइल सिस्टम आदि का प्रदर्शन कमाल का रहा। दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलें आकाश में ही टुकड़ा-टुकड़ा करने में हम सफल रहे। ये हमारे रक्षा शोध और विकास के सफलतम परिणाम साबित हुए, लेकिन सरकार का निवेश और अनुबंध अभी और भी बढ़ाए जाने चाहिए। लड़ाकू विमान राफेल, सुखोई, मिग, मिराज आदि तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। हमें अपने 'अवाक्स सिस्टम' को अधिक अपग्रेड करने की जरूरत है। पाकिस्तान के पास चीन के विकसित लड़ाकू विमान भी हैं। बेशक हालिया संघर्ष में पाकिस्तान नाकाम रहा, लेकिन उसके पास सामरिक तैयारी तो है। यह ध्यान रहे।

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर आॅपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखाकर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़ा है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और आॅपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। आॅपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया आॅफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया आॅफ पाकिस्तान और आइडिया आॅफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां आॅपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

आॅपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि राजा सुनकर उस तपस्वी के वश में हो गया और तब वह उसे अपना नाम बताने लगा। तपस्वी ने कहा- राजन ! मैं तुमको जानता हूँ। तुमने कपट किया, वह मुझे अच्छा लगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनु महीस असि नीति जहँ तहँ नाम न कहहिं नृप।
मोहि तोहि पर अति प्रीति सोइ चतुरता बिचारि तव॥
हे राजन! सुनो, ऐसी नीति है कि राजा लोग जहाँ-तहाँ अपना नाम नहीं कहते। तुम्हारी वही चतुराई समझकर तुम पर मेरा बड़ा प्रेम हो गया है॥
नाम तुम्हार प्रताप दिनेसा। सत्यकेतु तव पिता नरेसा॥
गुर प्रसाद सब जानिअ राजा। कहिअ न आपन जानि अकाजा॥
तुम्हारा नाम प्रतापभानु है, महाराज सत्यकेतु तुम्हारे पिता थे। हे राजन! गुरु की कृपा से मैं सब जानता हूँ, पर अपनी हानि समझकर कहता नहीं॥
देखि तात तव सहज सुधाई। प्रीति प्रतीति नीति निपुनाई॥
उपजि परी ममता मन मोरें। कहउँ कथा निज पूछे तोरें॥
हे तात! तुम्हारा स्वाभाविक सीधापन (सरलता), प्रेम, विश्वास और नीति में निपुणता देखकर मेरे मन में तुम्हारे ऊपर बड़ी ममता उत्पन्न हो गई है, इसीलिए मैं तुम्हारे पूछने पर अपनी कथा कहता हूँ॥ (क्रमशः...)

इतिहास की चाय, नेताओं की राय (व्यंग्य)

सुभाषू का ठेला था। स्कूल के सामने। वहां इतिहास नहीं, चाय बिकती थी, पर बहस वही थी—कौन सा राजा सही, किसने किया बलिदान ज़्यादा, किसकी मूंछें बड़ी थीं। सुभाषू के पास एक खटारा रेडियो था, जिस पर कभी 'मन की बात' और कभी मन की भड़ास बजती थी। हर घूंट चाय के साथ बहस गरम, दिमाग ठंडा। पर सुभाषू का दुख ये था कि इतिहासपुरुष तो किताबों में थे, उसकी बेटी कविता तो आज भी पुराने बस्ते में स्कूल जाती थी। स्कूल का बस्ता था कल के राजा, आज के लोकतंत्र और कल की बेरोज़गारी का गठजोड़।

'अबे सुन बे रामखिलावन, इतिहास का क्या रखा है? आज राजा वही है, जिसके हाथ में सोशल मीडिया की तलवार है!' — पप्पू गुटखा चबाते हुए बोला। पप्पू वही था, जिसने एक बार 'गांधी जयंती' पर 2 अक्टूबर को 'हैप्पी बर्थडे सरदार पटेल' लिख दिया था। 'क्यों बे, गांधी और पटेल दोनों की जयंती एक ही दिन होती है क्या?' — जब कोई पूछे, तो पप्पू तुरंत कहता — 'भाईसाब, इतिहास को भावनाओं से मत जोड़ो। इमोशन्स में नेशन बर्बाद होता है।'

इधर चाय के ठेले पर बहस चल रही थी—'शिवाजी महाराज ने मुसलमानों से कितनी लड़ाइयां लड़ीं?' एक गुट ने तुरंत टोक दिया, 'नहीं, उन्होंने तो धर्मनिरपेक्षता का झंडा उठाया था!' तभी एक नेता टाइप बनियान वाला आया और बोला — 'हमारी सरकार इतिहास को नया आयाम देने जा रही है। अब से टीपू सुल्तान की जगह वीर सावरकर की मूर्ति लगेगी।' सबने ताली बजाई, बस सुभाषू की बूढ़ी मां ने एक लंबा आह भरा — 'इतिहास बदला है बेटा, पर घर की छत आज भी टपकती है।'

टीचर मिर्चीलाल आये, बोले — 'इतिहास क्या है जानते हो? भूले-बिसरे कवियों की रचनाएं और नेताओं की घोषणाएं। जिसमें सिर्फ तारीखें बदलती हैं, सच्चाई वहीं की वहीं रहती है—लाचार!' सुभाषू ने पूछा— 'सर जी, आपकी किताब में चंद्रगुप्त मौर्य अब भी हैं या उन्होंने भी पार्टी बदल ली?' मिर्चीलाल बोले — 'बेटा, अब किताबें सीबीएसई से नहीं, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से बनती हैं।'

अचानक एक दिन टीवी पर खबर आई — 'बड़ी घोषणा : सुभाषचंद्र बोस की जगह अब नेताजी भोलानाथ यादव की मूर्ति लगेगी, क्योंकि उन्होंने 1972 में गांव की सड़क का फीता काटा था।' सब चौंके। कविता बोली — 'पापा, नेताजी कौन थे?' सुभाषू बोला — 'बेटा, ये वो लोग होते हैं जो तुम्हारे जैसे बच्चों की किताब से असली नायक को निकालकर अपना नाम घुसेड़ देते हैं।' कविता बोली — 'तो क्या हमें झूठ पढ़ना होगा?' सुभाषू ने गहरी सांस ली — 'बेटा, आजकल सच पढ़ना राजद्रोह है।'

अभी बहस का दौर चल ही रहा था कि गली में एक मूर्ति टूटी हुई मिली — सरदार पटेल की। किसी ने लिखा — 'पार्टी चेंज कर ली थी, अब वो हमारे नहीं रहे।' रात में फिर खबर आई — 'महापुरुषों की मूर्तियों पर हमला करने वालों को देशद्रोही माना जायेगा।' और सुबह, उसी नेता ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा —'हमने मूर्तियों पर हमला नहीं किया, सिर्फ इतिहास को नया स्वरूप दिया है।' इतिहास ने एक और करवट ली, और कविता के स्कूल में एक नया चैप्टर जुड़ गया — 'महान नेता भोलानाथ यादव का ऐतिहासिक योगदान।'

धीरे-धीरे कविता बड़ी हो गई, पर देश वही रहा — एक ऐसा देश जहां हर नेता को किसी न किसी इतिहासपुरुष की आड़ में चुनाव जीतना था। किसी ने गांधी के नाम पर दुकान खोली, किसी ने अंबेडकर के नाम पर वोट मांगे। कविता की शादी एक क्लर्क से हुई, जो हर महीने वेतन न मिलने पर 'जय सुभाष' चिल्लाता था। कविता पूछती — 'इससे क्या होगा?' वो कहता —'इतिहासपुरुष का नाम लेने से पेट नहीं भरता, लेकिन असली मुद्दों से ध्यान ज़रूर भटक जाता है।'

एक दिन सुभाषू का चाय ठेला हटाया गया। कारण था — 'विकास परियोजना के तहत ऐतिहासिक सड़क का निर्माण।' ठेले की जगह अब एक स्मारक बना— 'नेता जी का प्रेरणा स्थल।' उसी पर लिखा था — 'इस ऐतिहासिक स्थान पर नेताजी ने भाषण दिया था — वोट दो, सब मिलेगा।'

पर न चाय मिली, न कविता को नौकरी। न सुभाषू की मां को इलाज मिला, न उसके बेटे को स्कालरशिप। इतिहासपुरुष की मूर्ति के नीचे सब तस्वीर खिंचवा रहे थे, पर सुभाषू की आंखें गीली थीं —'इतिहास ने बहुत कुछ दिया बेटा, बस हमें कभी गिनती में नहीं रखा। हम हमेशा उन पन्नों में रहे जो किताब से फटे हुए थे।'

कविता ने एक पुरानी किताब खोलकर देखा— 'इतिहास' शीर्षक था। उसमें दर्ज एक पंक्ति ने रुला दिया—

'जिन्होंने इतिहास रचा, उनका नाम नहीं बचा; जिनके नाम पर इतिहास रचा गया, उनका काम नहीं बचा।'

इतिहासपुरुष की मुस्कुराती मूर्ति के पीछे, एक गरीब चाय वाला खुद को इतिहास से बेदखल पाता रहा। और चाय का उबाल ठंडा पड़ता गया।

- डा. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',

राशिफल

ज्येष्ठ माह कृष्ण पक्ष नवमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
रूपए पैसे कहीं दिए हैं तो निकालने में प्रॉब्लम का सामना करना पड़ेगा। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पैतृक संपत्ति में थोड़ी सी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धर्म में अतिवादी न बनें। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। किसी भी परेशानी को अनदेखा मत करिएगा। वाहन धीरे चलाएं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गुदा रोग से परेशान रहेंगे। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य से थोड़ी सी परेशानी बरतनी होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधी परास्त होंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ आगे बढ़ेंगे और थोड़ा सा नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में रहेंगे। प्रेम में कोई बड़ा विवाद न हो। बच्चों की सेहत पर बहुत सावधानी पूर्वक ध्यान रखिएगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू विवाद बाहर न जाए, इस बात का ध्यान रखिए। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान ठीक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दीजिए। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दीजिए। व्यापार में कोई नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे अभी न लगाएं। निवेश अभी न करें। गंदी भाषा के प्रयोग से बचें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मानसिक स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रेम में कोई बड़ा तू तू मैं मैं न हो। पार्टनरशिप में कोई बड़ी प्रॉब्लम न हो। बच्चों से दूरी दिख रही है और वह दूरी नकारात्मक होगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा ने निकाली तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में की गई सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को जेवर विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा कासना स्थित निहाल सत्ती देवी मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार से होते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक पहुंची। लगभग दो किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता, युवा और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे राष्ट्रभक्ति के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। पूरे आयोजन का उद्देश्य भारतीय सेना के पराक्रम को सम्मान देना और देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और सशक्त करना था।

यात्रा में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य नरेंद्र सिंह भाटी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, रबूपुरा अध्यक्ष शशांक सिंह, पूर्व मंत्री हरिचंद भाटी, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष व तिरंगा यात्रा के संयोजक राज नागर सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नरेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सेना हर चुनौती का डटकर सामना करने में सक्षम है। यह यात्रा युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत कर रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि सेना के इस शौर्य से प्रत्येक भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और सेना की अदम्य वीरता का प्रमाण है।

जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और देशभक्ति की अभिव्यक्ति है। इसका उद्देश्य सेना के पराक्रम को सम्मान देना और मोदी सरकार की राष्ट्रवादी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

संयोजक तिरंगा यात्रा राज नागर ने कहा कि इस आयोजन में जिस प्रकार से युवाओं, बच्चों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह दर्शाता है कि राष्ट्रप्रेम अभी भी जनमानस में जीवित है। यह यात्रा देशभक्ति की एक अविस्मरणीय मिसाल बन गई है।

इस अवसर पर दिनेश भाटी, कर्मवीर आर्य, वीरेंद्र भाटी, नरेंद्र डाढा, राहुल पंडित, रवि जिन्दल, अमित पहलवान, रजनी तोमर, राजेश शर्मा, दिनेश डाढा, अजीत मुखिया, इन्द्रजीत टाइगर, संजय चेची, मनोज चौधरी, ममता शर्मा, कृष्ण गौतम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हॉकी इंडिया के साथ किया समझौता, दो हॉकी खिलाड़ियों का एडमिशन

एमिटी ने उठाया खिलाड़ियों को शिक्षित करने का बीड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय एथलीटों एंव खिलाड़ियों के भविष्य को नया आकार देने का वादा करने के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन (एयूओ) ने हॉकी इंडिया के साथ एक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत हॉकी खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर व्यापक शैक्षिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। खिलाड़ियों के समग्र विकास का समर्थन करने की दिशा में एक शक्तिशाली कदम है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ और एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजीत चौहान ने हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर जे। मनोहरन और एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एमओयू हस्ताक्षर किए।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ ने आश्वासन दिया कि अगले विश्व कप और ओलंपिक में महिला हॉकी इंडिया टीम निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतेगी। यह समझौता खिलाड़ियों के लिए अपनी पढ़ाई पूरी करने का एक अवसर है जो हमारे खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित होगा। हमारे कई एथलीटों, खासकर महिला टीम को गहन प्रशिक्षण की मांग के कारण 12वीं कक्षा के बाद अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ी है। अब वे एक साथ अपने दोनों सपने पूरे कर सकती हैं।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ। अशोक के। चौहान ने हमेशा यह कल्पना की है कि भारत के प्रत्येक एथलीट/खिलाड़ी को एमिटी द्वारा शैक्षिक अवसर प्रदान किए जाएंगे, ताकि जब वे खेल में अपना करियर समाप्त कर लें, तो शिक्षा उन्हें अपना करियर बनाने में मदद करे।

एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजीत चौहान ने कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से, एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन एथलीटों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक मजबूत शैक्षिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम प्रदान करेगा।

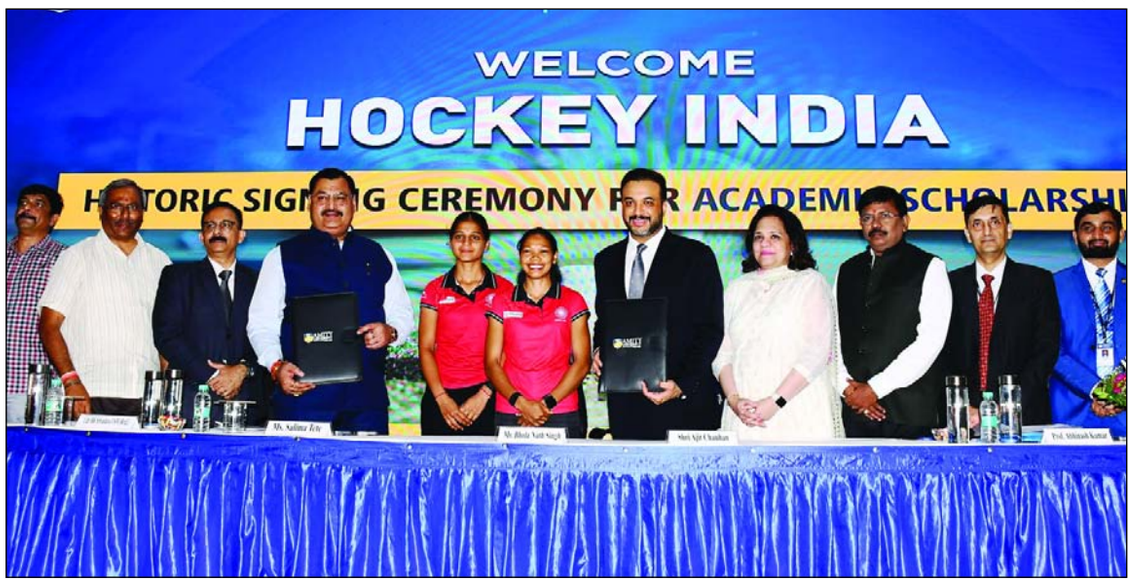

इस कार्यक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे और डिफेंडर ज्योति का एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के बैचलर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम में औपचारिक नामांकन भी हुआ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि शिक्षा हमेशा से मेरा सपना रहा है, जिसे मैंने हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए अलग रखा था। इस छात्रवृत्ति और एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के लचीले ऑनलाइन कार्यक्रमों के साथ, मैं एमिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स करना चाहती हूं और केवल खेल के क्षेत्र में काम करना चाहती हूं और हमेशा हॉकी को बढ़ावा देना चाहती हूं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर ज्योति ने एमबीए मार्केटिंग के लिए अपनी भावनाओं को दोहराया और गर्व से कहा कि वह एमिटी से पीएचडी भी करना चाहेंगी। मैं अपने हॉकी करियर के साथ-साथ इस शैक्षिक यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं।

रानी अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में महिला दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

भदोही (चेतना मंच)। जनपद में रानी अहिल्याबाई होलकर की जीवनगाथा और उनके ऐतिहासिक कार्यों को समर्पित दशदिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कार्यक्रम संयोजक युवा नेता मनीष पांडेय के नेतृत्व में महिला स्पर्धा दौड़ का आयोजन किया गया, जो हॉस्टल चौराहा से दुर्गागंज तिराहा तक संपन्न हुआ।

सुबह 6.30 बजे निर्धारित समय पर इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मनीष पांडेय ने पूरी तन्मयता के साथ कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। यह आयोजन अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया, जिनके द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर सहित अनेक ऐतिहासिक मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया था।

पार्टी द्वारा निर्धारित 10-दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत हर दिन विभिन्न स्थानों पर आयोजन किए जाएंगे। कल (बुधवार) प्रात: 10.00 बजे सुरियावा ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री मीना चौबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी और अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी।

कार्यक्रम के जिला संयोजक सुनील मिश्रा तथा सह-संयोजक दिलीप गुप्ता और संजय सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इस महिला दौड़ में भाग लेने वालों में कृतिका पटेल, कुसुम खान, अर्पणा सिंह, सृष्टि यादव, शिवानी साहू, साक्षी पाल, प्रतीक्षा पाल, गुनगुन, सपना, मानवी सिंह, मुस्कान, सौम्या, ज्योति, श्रुति, अंशिका पाल, और सिमरन पाल आदि प्रतिभागी शामिल रहीं।

ट्रेड यूनियनों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय मंच द्वारा 20 मई को देशव्यापी विरोध कार्यवाहियों के आह्वान पर जनपद गौतम बुद्ध नगर के विभिन्न मजदूर संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन वायबो कास्टिंग (फेज-2, नोएडा), अंबुजा सीमेंट कंपनी (दादरी), अनमोल इंडस्ट्रीज, मानीताऊ इक्विपमेंट (उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा), बीएचईएल (सेक्टर-16, नोएडा) जैसे प्रमुख संस्थानों पर किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह प्रदर्शन उन अधिकारों को बचाने के लिए है जो मजदूरों को वर्षों की कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुए हैं। सभी संगठनों ने आगामी 09 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इसके उपरांत इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ, यूपीएलएफ, टीयूसीआई समेत जनपद की अन्य ट्रेड यूनियनों और मजदूर संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर (ग्रेटर नोएडा) पर जोरदार प्रदर्शन किया और केंद्र व राज्य सरकार को हड़ताल की सूचना एवं अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए टीयूसीआई के उदय चंद्र झा, एक्टू के अमर सिंह, सीटू के रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामस्वारथ, सुनील पंडित, विकास कुमार, हुकम सिंह, मुकेश कुमार राघव, सुखलाल, अमीचंद, रणजीत सिंह, छोटू तथा जनवादी महिला समिति की चंदा बेगम, रेखा चौहान और इशरत ने कहा।

अंग्रेज़ों के शासनकाल में हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहुति देकर श्रमिकों के लिए कानून बनवाए। 8 घंटे कार्य दिवस जैसे अधिकार संघर्ष से प्राप्त हुए, जिन्हें अब लेबर कोड्स के नाम पर छीना जा रहा है। यह एक साजिश है, जिससे हमें पुन: गुलामी की ओर धकेला जा रहा है।

वक्ताओं ने मेहनतकशों पर बढ़ते शोषण व उत्पीड़न, धर्म के नाम पर नफरत की राजनीति, और ट्रेड यूनियन व लोकतांत्रिक अधिकारों पर हो रहे हमलों के खिलाफ आवाज उठाते हुए 09 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को जनपद गौतम बुद्ध नगर में पूरी तरह सफल बनाने का आह्वान किया।

खेड़ी गाँव के मेधावी छात्र लविश को संकल्प संस्था ने किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संकल्प संस्था द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत खेड़ी गाँव निवासी लविश तोगड़, पुत्र देवीराम सिंह, को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नेशनल मॉडर्न स्कूल में टॉप करने के लिए उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया गया। लविश का सपना सिविल सेवा (सिविल सर्विसेज) में जाने का है।

संस्था के संस्थापक भूपेंद्र नागर और महासचिव अमित नागर ने इस अवसर पर कहा कि यदि लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में मेहनत की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर और प्रवक्ता नरेश खारी ने बताया कि संस्था शिक्षा जागरूकता अभियान के तहत ऐसे मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) प्रदान करेगी और उन्हें समय-समय पर सम्मानित भी किया जाएगा।

इस अवसर पर मास्टर विजय तोगड़, देवीराम सिंह, पवन टाइगर, संस्था के सचिव आदेश नागर, उपाध्यक्ष संदीप भड़ाना, सुमित भाटी, सह-सचिव विजयपाल शर्मा, मनोज नागर सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण की एकमुश्त समाधान योजना 30 जून तक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत बहुमंजिला फ्लैटों (121 वर्ग मीटर से कम) पर डिफॉल्टर आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना 30 जून 2025 तक लागू है। ऐसे आवंटी ओटीएस के अंतर्गत प्रीमियम और लीज डीड के विलंब शुल्क पर बड़ी राहत प्राप्त कर सकते हैं। बता दें, कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 138वीं बोर्ड बैठक में बहुमंजिला फ्लैटों के लिए एकमुश्त समाधान योजना लाने को मंजूरी दी गई थी। इस योजना की और अधिक डिटेल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा है कि जो भी डिफॉल्टर आवंटी ओटीएस का लाभ लेना चाहते हैं, वे शीघ्र आवेदन कर दें। 30 जून के बाद डिफॉल्टर आवंटियों को इसका लाभ नहीं मिल सकेगा।

पृष्ठ एक के शेष....

सांसद ने जनता से जुड़ी...

हुए कहा कि सरकार ने दो महीने के अंदर इस कार्य को पूर्ण कराया जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों के कार्यो के लिए सजकता एवं नितियों के प्रति आष्वस्त करते हुए यह विष्वास दिलाया कि जनहित के कार्य निरंतर ऐसे ही सरकार पूर्ण करती रहेगी।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने स्टेशन से संबंधित 5, मारीपत 9, बोडाकी की 2, सिकन्द्राबाद के कई स्टेशनों से संबंधित 5 तथा खुर्जा से जुड़ी 11 प्रमुख समस्याओं के लिए केन्द्रीय रेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा तथा अपेक्षा की शीघ्र ही इन समस्याओं का समाधान पूर्व की तरह किया जाएगा।

डीजे पर डांस को...

हत्या के बारे में सुबह जानकारी मिली तो मां व पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। छोटा भाई भी मोहित को याद कर फूट फूटकर रो रहा था। वहीं, पड़ोसी ढांढस बंधा रहे थे। हर कोई मोहित के स्वभाव व बोलचाल की तारीफ करते नहीं थक रहा था। सभी का कहना था कि मोहित बेहद सरल स्वभाव का युवक था।

ज्वैलर्स की दुकान...

से फायर किया। पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में 03 बदमाशों में से 02 बदमाश आमिर एवं रितेश के पैर में गोली लग गई जिससे वह घायल हो गये, तथा तीसरा बदमाश दीपक पाल को मौके से थोडी दूरी पर गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाशों 1- आमिर पुत्र बाबू खान नि0 मण्डोला थाना ट्रोनिका सिटी, कमि0 गा0बाद, रितेश पुत्र भारत नि0 मंगल बाजार पूजा कालोनी थाना ट्रोनिका सिटी गा0बाद को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

कांग्रेस ने पूर्व...

शहाबुद्दीन, जावेद खान, रामकुमार शर्मा, गौरव अधाना, कैप्टन हरलीन बाजवा,अनिल अवाना, ओमी प्रधान, कर्मवीर, जिशान चौधरी, शान दीक्षित, जयप्रकाश खटाना, राजकुमार मोनू, सुमन रॉय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

चार जिलों के डीएम...

के नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा को महराजगंज का डीएम बनाया गया है।

सीडीओ सिद्धार्थनगर जयेंद्र कुमार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी अयोध्या तीर्थ विकास परिषद तथा नगर आयुक्त अयोध्या, मृणाली अविनाश जोशी संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर को सीडीओ सिद्धार्थनगर, रविंद्र कुमार प्रथम विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य को विशेष सचिव कृषि, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार तथा कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय ज्ञानेंद्र सिंह को पीलीभीत का डीएम बनाया गया है। पीलीभीत के डीएम संजय कुमार सिंह को विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य बनाया गया है। अपूर्वा दुबे उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा को निदेशक सूडा, कुलदीप मीणा सीडीओ बुलंदशहर को उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा, निशा संयुक्त मजिस्ट्रेट मथुरा को सीडीओ बुलंदशहर और प्रेरणा शर्मा निदेशक सूडा को विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बनाया गया है।

गोली लगते ही बदमाश...

तभी पुलिस को सामने से एक मोटर साइकिल सवार आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस द्वारा मोटर साइकिल सवार को रूकने के लिए इशारा किया गया लेकिन वह नही रूका और अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर सेक्टर-14ए के पीछे नाले की पटरी पर दिल्ली की तरफ जाने वाले रास्ते पर ले जाकर भागने लगा। पुलिस ने आगे बताया कि शक होने पर पुलिस ने बाइक सवार का पीछा किया। तभी अचानक उसकी मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। बदमाश ने पुलिस से खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी। जिससे वो घायल हो कर जमीन पर गिर गया। गिरफ्तार घायल बदमाश की पहचान सोनू उर्फ सत्ता (25) निवासी ग्राम दल्लूपुरा थाना न्यू अशोक नगर दिल्ली के रूप में हुई।

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रदीप मजूमदार निवासी, ED-42, न्यू अशोकनगर, नई दिल्ली, मैंने अपने पुत्र का नाम बदलकर RUDAR MAJUMDAR से बदलकर RUDRA MAJUMDAR) कर दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को RUDRA MAJUMDAR के नाम से ही जाना जाए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
YEIDA FUTURE IS HERE
प्रथम तल, कमिंशियल कॉम्प्लेक्स, (पी-2) सैक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर-201308 (उ.प्र.)
Toll Free No. : 18001808296 वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांकः वाई०ई०ए०/भूलेख/तह०/(Mktg.)/293/2025 दिनांक 19.05.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है :-

(ग्राम रबूपुरा सैक्टर-11, के अन्तर्गत)

क्रम सं०	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	587	2008	1.2390	में से	0.1338	जैद पुत्र नसीम नि० दिल्ली
2.	775	2052	0.6540	में से	0.1090	मौहम्मद नसीम पुत्र अब्दुल बहीद नि० दिल्ली
(ग्राम रबूपुरा, फिल्म सिटी, चक 04 के अन्तर्गत)						
3.	871	408म/1	0.6320	में से	0.0422	मुन्नी शर्मा पत्नी मनोज व रंजना शर्मा पत्नी योगेन्द्र नि० दिल्ली
	871	407मि०	0.8383	में से	0.6713	
4.	747	789	0.9780	में से	0.2363	लखमी पुत्र मोहनलाल नि० भाईपुर
5.	051	901	2.3300	में से	0.1098	योगेन्द्र कुमार वत्स पुत्र डिब्बन लाल शर्मा नि० मोलरवन्द दिस्तार, दिल्ली
(ग्राम भुन्नातगा सौ-33)						
6.	64	176	0.1800	में से	0.0300	गिरजेश सिंह पुत्र सत्यदेव नि० भुन्नातगा
	66	178	4.7690		0.2888	
7.	24	157	3.4870	में से	0.5231	वेदप्रकाश शर्मा, रामौतार, प्रेमपाल शर्मा पुत्रगण दिलीपचन्द नि० भुन्नातगा

- प्रस्तावित भूमि प्राधिकरण के नियोजित सै० यथा 21 व 11, 33 के अन्तर्गत होने के कारण क्रय हेतु प्रस्तावित है।
- उक्त भूमि को क्रय करने हेतु तालिका में अंकित काश्तकारों द्वारा सहमति प्रदान की गयी है जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा उक्त भूमि आपसी सहमति के आधार पर क्रय की जानी प्रस्तावित है।
- प्रस्तावित भूमि को प्राधिकरण की 84वीं बोर्ड बैठक की मद संख्या 03 के अनुसार रूपये 3808/ प्रति वर्ग मी० की दर से सम्बन्धित भूस्वामी के पक्ष में भुगतान किया जाएगा व 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड आवंटित किया जाएगा।

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अन्दर यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय/सी०आर०सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेषकार्याधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

खास खबर

एंबेसी रीट ने 2,000 करोड़ रुपये का जुटाया ऋण

नई दिल्ली। एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट ने शेयर बाजार को मंगलवार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने तीन साल की अवधि के लिए 7.21 प्रतिशत की ब्याज दर पर 2,000 करोड़ रुपये का कूपन-बेयरिंग कर्ज जुटाया है। एम्बेसी रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि यह लेनदेन एम्बेसी रीट के मजबूत बही-खाते को दर्शाता है। साथ ही भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में अग्रणी ऋणदाता के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। यह पुनर्वित्त हमें भविष्य के वृद्धि अवसरों को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में लाता है। एम्बेसी रीट के खंड में 4.03 करोड़ वर्ग फुट का पूर्ण परिचालन क्षेत्र शामिल है और इसमें विश्व की 272 अग्रणी कंपनियां कार्यरत हैं।

डीएलएफ का मार्च तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,282 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। दिग्गज रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड का मार्च तिमाही में मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 1,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में इसकी बिक्री बुकिंग 21,223 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। डीएलएफ ने कहा कि उसकी बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 14,778 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 में 44 प्रतिशत बढ़ गई। गुरुग्राम स्थित बेहद आलीशान आवासीय परियोजना द डहेलियाज में बंपर बुकिंग की इसमें अहम भूमिका रही है। देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 1,282.2 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 919.82 करोड़ रुपये थी।

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस का प्रीमियम बढ़कर 4,216 करोड़

चेन्नई। श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने व्यापक विकास का समर्थन करने के लिए प्रीमियम में 20.2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 4,216 करोड़ रुपये तक का प्रीमियम दर्ज किया। इसके साथ ही, कंपनी ने खुद को एक मजबूत वित्तीय स्थिति में पाया है जिसे दर्शाते हैं 13,207 करोड़ रुपये की प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों की वृद्धि। ऐसे सफल प्रदर्शन के साथ कंपनी ने व्यक्तिगत नया व्यवसाय एपीई में भी 45.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे 1,289 करोड़ रुपये तक का प्रीमियम प्राप्त हुआ है। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में कुल प्रीमियम 507 करोड़ रुपये का दर्ज किया गया था, जो पिछले समयावधि के मुकाबले 47 प्रतिशत अधिक था।

बीएचईएल के शेयर में गिरावट

नई दिल्ली। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के शेयरों में गिरावट आई। हाल ही में कंपनी के शेयर 244.45 रुपये पर आ गए थे। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक निगेटिव खबर है। दरअसल, बाजार विशेषज्ञों ने स्टॉक में 54 फीसदी तक की गिरावट का अनुमान लगाया है। बाजार के जानकारों ने इस शेयर को 115 प्रति शेयर के लक्ष्य के साथ बेचने की रेटिंग दी है। उन्होंने कहा कि ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले बीएचईएल की चौथी तिमाही की आय 8 फीसदी कम रही, जिसे पूर्व प्रावधानों के लिए समायोजित किया गया और बहुत मजबूत औद्योगिक प्रिंट द्वारा समर्थित किया गया जो शायद बरकरार न रह पाए।

केला और मिर्च ने खेती की तस्वीर बदली

नई दिल्ली। भारत की कृषि वृद्धि दर में हाल के वर्षों में तेजी देखी जा रही है, जिसमें अब पारंपरिक अनाज की बजाय फल, सब्ज़ियां और मसाले खेती करना किसान पसंद करने लगे हैं। खासतौर पर केला और मिर्च ने खेती की तस्वीर को बदला है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 24 में ये दोनों कृषि उत्पाद पिछले एक दशक के मुकाबले सबसे ज्यादा योगदान देने वाले आइटम्स के रूप में उभरे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ घरेलू उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि भारत के कृषि निर्यात को भी नई दिशा दे रहा है।

भारत ने ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में समावेशी ऊर्जा प्रशासन का आह्वान किया

2030 तक ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने का लक्ष्य : ऊर्जा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने एक स्थायी और समावेशी ऊर्जा भविष्य के निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की और 'अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना' विषय के तहत ब्राजील के नेतृत्व की सराहना भी की। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने 19 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच और सामर्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। मनोहर लाल ने ब्रिक्स देशों को भारत में 2026 में आयोजित होने वाले अगले ब्रिक्स ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और वैश्विक दक्षिण के लिए ऊर्जा एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा को वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया तथा आर्थिक स्थिरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संसाधनों तक समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को

> ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 7 (एसडीजी-7) को आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। मनोहर लाल ने जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की भूमिका पर भी जोर दिया और ऊर्जा संरक्षण सतत भवन संहिता, छत सौर पहल और कुशल उपकरण मानकों जैसे अभिनव कार्यक्रमों के जरिए ऊर्जा दक्षता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने 2030 तक ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य की पुष्टि की और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने पर जोर दिया। ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 7 (एसडीजी-7) को आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें सबके लिए बिजली की उपलब्धता, स्वच्छ खाना पकाने और ऊर्जा संकट से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के जवाब में न्यायसंगत, समावेशी और संतुलित ऊर्जा संक्रमण की जरूरत पर जोर दिया। विशेष रूप से विकासशील देशों में जीवाश्म ईंधन की निरंतर भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने प्रौद्योगिकीय तटस्थता और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांत से निर्देशित एसडीजी 7 और वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के महत्व पर बल दिया। बैठक में ऊर्जा मंत्रियों ने मजबूत साझेदारी का आह्वान किया। मंत्रियों ने खुले, निष्पक्ष और भेदभाव रहित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों का समर्थन किया तथा ऊर्जा व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित किया। उन्होंने ब्रिक्स ऊर्जा अनुसंधान सहयोग मंच की मौलिक भूमिका को मान्यता दी तथा गहन सहयोग के लिए अद्यतन ब्रिक्स ऊर्जा सहयोग रोडमैप (2025-30) का स्वागत किया। ब्रिक्स समूह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो विश्व अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है, यह वैश्विक आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सहयोग को बढ़ावा देता है।

कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ जल्द

नई दिल्ली। नवरत्न कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ आने वाला है। कोल इंडिया ने कहा है कि बीसीसीएल और सीएमपीडीआई ने लिस्टिंग की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। जल्द ही सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जल्द ही डीआरएचपी फाइल कर देंगे। बता दें कि डीआरएचपी पब्लिक लिस्टिंग के प्राइमरी डॉक्यूमेंट है। उन्होंने बताया कि आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त कर लिया गया है। कोयला मंत्रालय ने पहले ही बता दिया था कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट की लिस्टिंग होगी। कोल इंडिया के शेयरों का भाव सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 402.90 रुपये पर था। बीते 3 महीनों के दौरान कोल इंडिया के शेयरों की कीमतों में 11 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 544.70 रुपये है।

वित्त मंत्री ने विनियमन व स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन का किया आह्वान

विनियमनों को तेजी से मंजूरी सुनिश्चित करनी चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए। सीतारमण ने नियामक से बाजार में होने वाले बदलावों का अनुमान लगाने और प्रासंगिक बने रहने का आग्रह किया। सीतारमण ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 16वें वार्षिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामक ढांचे को ऐसे

विलयों के लिए त्वरित अनुमोदन की सुविधा प्रदान करनी चाहिए जो प्रतिस्पर्धी प्रथाओं को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने बाजार में होने वाले बदलावों का पूर्वानुमान लगाने और निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा देने में सीसीआई की भूमिका पर भी जोर दिया। कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में सीतारमण ने बाजार में बदलावों के अनुकूल ढलने में सीसीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा कि विनियमनों को तेजी से मंजूरी सुनिश्चित करनी चाहिए, जहां प्रतिस्पर्धा को खतरा न हो। इस कार्यक्रम में खरीद अधिकारियों के लिए टूलकिट भी जारी की गई। इस अवसर पर सीसीआई की अध्यक्ष रवनीत कौर भी मौजूद थीं। सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए। सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में सार्वजनिक खरीद अधिकारियों के लिए एक नया डायग्नोस्टिक टूलकिट और संयोजनों से निपटने के बारे में एफएक्यू भी जारी किया गया, जिससे उत्तरदायी और प्रभावी प्रतिस्पर्धा विनियमन की आवश्यकता की पुष्टि हुई।

सैमसंग ने एआई वॉश के साथ लांच की बीस्पोक एआई टॉप लोड वाशिंग मशीनें

रांची। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी टॉप लोड वॉशिंग मशीन की श्रेणी में बीस्पोक एआई का विस्तार करने की घोषणा की है। यह कदम बीस्पोक एआई फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों को ग्राहकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। नई रेंज कपड़ों की अच्छे से देखभाल करने, बिजली की बचत और आसान इस्तेमाल के लिए एडवांस्ड एआई पावर्ड फीचर्स के साथ आती है। इस विस्तार से सैमसंग ने नए आविष्कारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है, जिससे ग्राहकों को स्मार्ट और

आसान धुलाई का अनुभव मिलेगा। नई टॉप लोड वॉशिंग मशीनें 8केजी, 10केजी, 12केजी और 14केजी की क्षमता में उपलब्ध हैं और इन्हें बीस्पोक एआई के साथ कपड़े धोने का आसान और कुशल अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये मशीनें ब्लैक कैवियार, लैवेंडर ग्रे, और नए लॉन्च किये गये डीप चारकोल व ब्रश्ड नेवी जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं। ये वॉशिंग मशीनें आज के जमाने के आधुनिक घरों की खूबसूरती में और चार-चांद लगाएंगी। एआई वॉश और इसके 3-चरण सेंसिंग सिस्टम से लैस ये मशीनें कपड़े के प्रकार और वजन का पता लगाकर प्रत्येक लोड के लिए सबसे उपयुक्त सेटिंग्स की सिफारिश करती हैं। एडवांस्ड एआई एल्गोरिदम की मदद से, यह वॉश साइकल कई प्रमुख मानकों जैसेकि पानी के स्तर, कपड़े धुलने की तीव्रता, और वॉश व रिंस के समय को समायोजित करता है, जिससे कपड़ों की 25 प्रतिशत अधिक देखभाल होती है।

वीर हनुमान में होने वाली है अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब का वीर हनुमान पौराणिकता और भावना का बेहतरीन संगम पेश करता यह शो, एक कालजयी कथा को जीवंत रंगों में दर्शाता है। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि हनुमान पाँच आध्यात्मिक और रूपांतरणकारी चरणों से गुजरते हुए एक गहरी साधना यात्रा पर निकल पड़े हैं। इसी दौरान शनि देव की छाया किष्किंधा पर मंडराने लगती है, जिससे अप्रत्याशित चुनौतियों का संकेत मिलता है। आगामी एपिसोड्स में देखने को मिलेगा कि हनुमान से कहा जाता है कि वे बाली को अपना गुरु मानें, क्योंकि शनि देव की छाया किष्किंधा पर पड़ रही है और वे हनुमान को भ्रमित करना चाहते हैं। बाद में, सुग्रीव को नया राजा घोषित किया जाता है, जिससे बाली क्रोधित हो जाता है। किष्किंधा के द्वार बंद कर दिए जाते हैं और इन सब घटनाओं के चलते भगवान हनुमान अपने आराध्य का नाम तक भूलने लगते हैं।

चंडीगढ़ सिविल डिफेंस में स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुई अलंकृता सहाय

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अलंकृता सहाय जो स्क्रीन पर अपने शानदार काम और स्क्रीन के पीछे अपने मानवीय कार्यों के लिए जानी जाती हैं, वे हमेशा अपनी बात पर खरी उतरने में विश्वास रखती हैं। भारत की एक गौरवशाली नागरिक के रूप में, उन्होंने हमेशा इस बात पर विश्वास किया है कि जब भी आवश्यकता होती है, वे हमेशा आगे आती हैं और यही बात उन्हें दुनिया की सबसे प्रेरणादायक युवा सार्वजनिक हस्तियों में से एक बनाती है। कुछ दिनों पहले, अलंकृता चंडीगढ़ ब्लैकआउट अवधि के दौरान गरीबों और

जरूरतमंदों को भोजन और पानी उपलब्ध कराने के लिए अपनी तरफ से आगे आने के लिए चर्चा में थीं। और अब, एक बार फिर, वह अपनी नवीनतम देशभक्तिपूर्ण कार्य से लोगों का दिल जीत रही हैं। अलंकृता सहाय अब 'चंडीगढ़ सिविल डिफेंस' में स्वयंसेवक के रूप में शामिल हो गई हैं ताकि जब भी आवश्यकता हो, आपातकालीन तैयारियों में आगे आकर उनका समर्थन कर सकें। इस तथ्य को देखते हुए कि मातृभूमि की आवश्यकता होने पर राष्ट्र की सेवा करना एक अनूठा अवसर है, अलंकृता ने खुद को इसके लिए नामांकित किया और इस तरह के किसी काम का हिस्सा बनने वाली भारतीय मनोरंजन उद्योग की एकमात्र कलाकार भी बन गईं। चंडीगढ़ सिविल डिफेंस' में स्वयंसेवक के रूप में शामिल होने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए, अलंकृता ने कहा, खैर, समय कठिन है और किसी भी चुनौती और बाधा के रूप में सामने आने वाली हर चीज के लिए तैयार रहना महत्वपूर्ण है। हां, युद्धविराम हो चुका है और शुक्र है कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम शांति और स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन स्थिति की अप्रत्याशितता को देखते हुए, हम लापरवाह नहीं हो सकते।

डीएलएफ के तिमाही नतीजे जारी, कंपनी का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी डीएलएफ के चौथी तिमाही के नतीजे अच्छे रहे हैं। कंपनी के मुनाफे में जोरदार उछाल आया है और राजस्व में भी बढोतरी देखी गई है। इन्वेस्टर डीएलएफ शेयर पर जमकर पैसा लगा रहे हैं। मंगलवार को शुरूआत में डीएएलएफ शेयर एनएसई पर 5.71 फीसदी की तेजी के साथ 779.80 रुपये पर कारोबार कर रहा था। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज और मॉर्गन स्टेनली ने डीएलएफ शेयर को खरीदने की सलाह दी है, जबकी नोमुरा ने इस रियल एस्टेट स्टॉक स्टॉक को न्यूट्रल रेटिंग दी है। साल 2025 में डीएलएफ शेयर की कीमत करीब 6 फीसदी गिरी है तो एक साल में इसमें करीब 9 फीसदी की गिरावट आई है।

एप्पल ने फिर किया भारत में अरबों का निवेश

> यह निवेश एप्पल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में आईफोन उत्पादन पर आपत्ति जताई है इसके बावजूद, एपल के सीईओ टिम कुक ने अपनी रणनीति नहीं बदलीहहि। कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार फॉक्सकॉन और होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने भारत में भारी निवेश की घोषणा की है। पिछले पांच दिनों में फॉक्सकॉन ने 1.48 अरब डॉलर (करीब 12,800 करोड़) का निवेश किया है, जबकि होन हाई ने भारत में 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ से अधिक) के निवेश की पुष्टि की है। दोनों कंपनियों ने यह जानकारी अपनी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। फॉक्सकॉन ने यह निवेश अपनी सिंगापुर यूनिट के जरिए तमिलनाडु स्थित युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में किया है। 14 मई से 19 मई के बीच किया गया यह निवेश एप्पल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। दूसरी ओर, होन हाई ने अपने ताइवानी निवेशकों को सूचित किया है कि वह चीन से प्रोडक्शन शिफ्ट कर भारत में निर्माण बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। टिम कुक ने हाल में कहा कि जून तिमाही से अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन भारत में बने होंगे। चीन, जहां अब व्यापार और शुल्क को लेकर अनिश्चितता है, वहां अब मुख्य रूप से अन्य बाजारों के लिए निर्माण होगा। भारत में फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन जैसे बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लेयर एप्पल के लिए काम कर रहे हैं। टाटा ग्रुप ने हाल ही में विस्ट्रॉन इंडिया का अधिग्रहण किया है और पेगाट्रॉन के भारतीय ऑपरेशंस को भी संभाल रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर घटाकर 3.85 प्रतिशत की

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अपनी प्रमुख नीतिगत दर में कटौती की। एक चौथाई प्रतिशत की कटौती के साथ अब यह 3.85 प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख ब्याज दर को 4.1 प्रतिशत से घटाकर 3.85 प्रतिशत किया। अक्टूबर 2020 के बाद से फरवरी में पहली बार इसे 4.35 प्रतिशत से घटाया गया था। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बनी हुई थी हालांकि पिछले सप्ताह अमेरिका और चीन के शुल्क वृद्धि को 90 दिन के लिए टालने पर सहमति बनने के बाद इसकी संभावना थोड़ी कम हो गई थीं। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे की ओर ले जाने के लिए ब्याज दरों को समायोजित करता है। मुद्रास्फीति भी पिछले तीन महीनों से 2.4 प्रतिशत पर स्थिर है। हालांकि अंतर्निहित आंकड़ा 2024 की अंतिम तिमाही में 3.2 प्रतिशत था। जनवरी-मार्च में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के 4.0 प्रतिशत से बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गई।

भारत - अमेरिका ने व्यापार समझौते के पहले चरण को शीघ्र पूरा करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बातचीत का दौर जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत में तेजी लाने के लिए चर्चा की। पीयूष गोयल व्यापार समझौते की वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए मंत्री स्तरीय बैठक के लिए इस समय वॉशिंगटन में हैं। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण में तेजी लाने की दिशा में वाणिज्य सचिव (अमेरिकी वाणिज्य मंत्री) हावर्ड लुटनिक के साथ सार्थक चर्चा हुई। मंत्री स्तरीय बैठक के बाद दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच 22 मई तक विचार-विमर्श होगा। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के मुद्दे पर यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश इस वर्ष शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की संभावना तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच वार्ता में जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा होगी, उनमें बाजार पहुंच, उत्पत्ति के नियम और गैर-शुल्क बाधाएं भी शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता पर चर्चा के लिए मार्च में भी वॉशिंगटन गए थे। भारत और अमेरिका के अधिकारियों का लक्ष्य व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए 90 दिवसीय शुल्क विराम अवधि का लाभ उठाना है। अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक के लिए निर्लंबित कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बढ़ते व्यापार घाटे को पाटने के लिए 2 अप्रैल, 2025 को टैरिफ दरों में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। हालांकि, 10 फीसदी का मूल शुल्क सभी देशों पर लागू है। इसके अलावा इस्पात, एल्युमीनियम और मोटर वाहन घटकों पर 25 फीसदी शुल्क भी लगा है।

श्री लोटस डेवलपर्स, जारो इंस्टीट्यूट सहित 6 कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। मुंबई स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड, लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी, कैलिबर माइनिंग, जेम एरोमैटिक्स, जेनसन इंडस्ट्रीज और यूरो प्रतीक सहित छह कंपनियों को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। इन सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर कम से कम 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बनाया है। सेबी को अक्टूबर, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच इन कंपनियों से आईपीओ के दस्तावेज मिले थे। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का आईपीओ मुंबई

स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 570 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के आईपीओ में 170 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और प्रमोटर संजय नामदेव सालुंखे द्वारा 400 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। श्री लोटस डेवलपर्स का आईपीओ बॉलीवुड स्टार्स और आशीष कचोलिया समर्थित श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड एक रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने 24 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का एक रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 792 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री-प्रस्ताव घटक नहीं है। कैलिबर माइनिंग का आईपीओ कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ओवरबर्डन रिमूवल, कोल एक्सट्रैक्शन और कोल लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन करने वाले शीर्ष 10 खनन ऑपरेटरों में से एक है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से 600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने 30 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के इश्यू और प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा 100 करोड़ रुपये तक के ऑफर-फॉर-सेल का मिश्रण है।

IPL 2025 में जमकर चला गिल का बल्ला, विराट कोहली का तोड़ दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

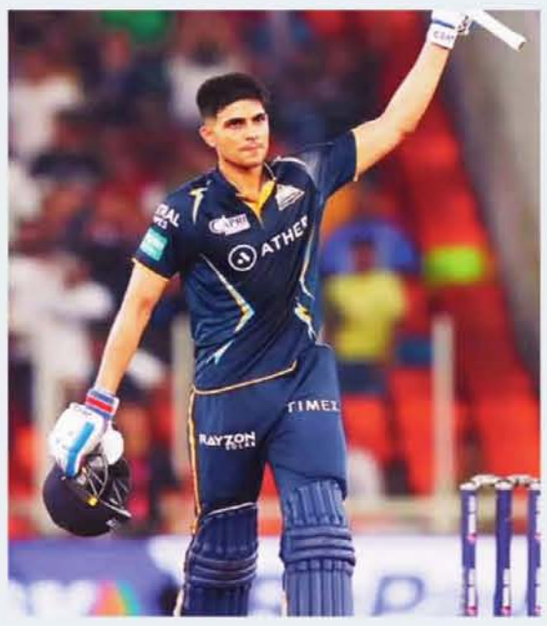

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। गिल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रनों की शानदार पारी खेलकर न केवल अपनी टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि टी 20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस पारी के साथ गिल ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए टी 20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

गिल ने कोहली को छोड़ा पीछे

शुभमन गिल ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन सिर्फ 154 पारियों में पूरे किए, जबकि विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 167 पारियां लगी थीं। गिल अब भारत के लिए ञ्20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल (143 पारियां) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सुरेश रैना (173 पारियां) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

टी-20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज
क्रिस गेल- 132 पारियां
केएल राहुल- 143 पारियां
शॉन माश- 144 पारियां
डेवोन कॉनवे- 144 पारियां
बाबर आजम- 145 पारियां
शुभमन गिल- 154 पारियां

वैश्विक स्तर पर गिल टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने हैं। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 132 पारियों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं।

दिल्ली के खिलाफ गिल का जलवा

मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शानदार शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट पर 199 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की ओर से शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सुदर्शन ने 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि गिल ने 93 रन बनाए। दोनों ने मिलकर बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य को हासिल कर लिया और गुजरात को 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीए 2025 के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

क्यों हैं गिल कोहली के उत्तराधिकारी?

शुभमन गिल को लंबे समय से विराट कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उनकी तकनीक, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लगातार रन बनाने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। इस रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गिल न केवल मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं, बल्कि भविष्य में भारतीय क्रिकेट के बड़े सितारे बनने की पूरी क्षमता रखते हैं।

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान,

वजन में की भारी कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है।

केएल राहुल लोगों की अपेक्षा कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं:मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को उनकी वास्तविक क्षमता का पूरा श्रेय नहीं दिया गया है। उन्होंने रविवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेलकर दिल्ली कैपिटल्स को बल्लेबाजी क्रम के पतन से बचाया था। दिल्ली की शुरुआत खराब रही और पहले पांच ओवरों में 1 विकेट पर 28 रन ही बना सकी। लेकिन राहुल की शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें लगभग 200 रन के आंकड़े तक पहुंचा दिया। हालांकि साई सुदर्शन (नाबाद 108) और शुभमन गिल (नाबाद 93) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटन्स के लिए प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में वह 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है। उन्होंने कहा, और हां, देखिए यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन मैच जीतता है, आप जानते हैं, वह प्लेयर ऑफ द मैच है या नहीं। लेकिन जिस तरह से मैं इसे और बैटिंग कार्ड को देखता हूं, जो उन्हें निराश करता है और 220 तक नहीं पहुंच पाते है, वह है अन्य बल्लेबाज जो केवल 150 पर ही आउट हो गए। (बल्लेबाजी के अनुकूल) सतह पर, आप प्रभाव चाहते हैं।

उन्होंने कहा, जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है, जो कुल स्कोर बनाता है, तो जब आप आते हैं तो आपकी भूमिका खेल को प्रभावित करना होती है, दस गेंदों पर 30 रन, उस तरह की पारी, जो आपको अचानक 220 तक ले जाती है। एक ही व्यक्ति पर उंगली उठाने के बजाय, मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है। दस ओवर के निशान तक दिल्ली कैपिटल्स 1 विकेट पर 81 रन बना चुकी थी, जिसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेली। मूडी के अनुसार, इस बदलाव ने कुछ हद तक राहुल की गति को बाधित किया। मूडी ने कहा, टीम के पास 220 तक पहुंचने का अवसर था। टीम ने ऐसा नहीं किया। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। यह एक टीम खेल है। और यहीं पर यह संवाद होता है कि कौन आ रहा है और जब आप मैदान पर होते हैं तो संवाद होता है - ठीक है, हमें इस ओवर की शुरुआत में दो बाउंड्री लगाने का लक्ष्य रखना है; चलो इसे एक बड़ा ओवर बनाते हैं। मूडी ने आगे कहा, मेरे हिसाब से, वे उस बीच (अवधि में) थोड़ा निष्क्रिय रहे।

श्रेयस अय्यर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स टीम आईपीएल 2025 प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है. अय्यर ने पिछले साल अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था, इस बार वह पंजाब किंग्स की कमान संभाले हुए हैं. इस बार टीम को उम्मीद है कि वे अपना पहला खिताब जीत सकते हैं.

श्रेयस अय्यर ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने

पंजाब किंग्स ने रविवार को अपने लीग स्टेज का 12वां मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला. पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 219 रन बनाए, जवाब में राजस्थान 209 रन ही बना पाई. पंजाब ने 10 रनों से मुकाबले को जीत लिया. रविवार को ही हुए दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, इसके बाद गुजरात के साथ पंजाब और बेंगलूरु का प्लेऑफ टिकट भी कंफर्म हो गया. श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान

बन गए हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में 3 अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है. पिछले साल उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया. इससे पहले अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था. रविवार को हुए मैच से पहले श्रेयस अय्यर की उंगली में चोट लग गई थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए थे. हालांकि उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 30 रन बनाए थे. उम्मीद है कि वह प्लेऑफ के मैचों तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे, वैसे अभी टीम को लीग स्टेज के 2 मैच और खेलने हैं. पंजाब किंग्स इस बार शानदार नजर आ रही है, उसने कई करीबी मैच जीते हैं. इसको लेकर पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीती जिंटा भी काफी खुश हैं, वह बोल चुकी हैं कि पहले हम जीते हुए मैच हार जाया करते थे लेकिन इस बार हम हारे हुए मैच जीत रहे हैं.

पंजाब किंग्स की निगाहें अब टॉप 2 पर

अब श्रेयस अय्यर एंड टीम की नजर टॉप 2 पर आने की होगी, क्योंकि उन 2 टीमों को फाइनल खेलने के 2 मौके मिलते हैं जबकि इसके उलट अन्य 2 टीमों को फाइनल में जाने के लिए 2 लगातार मैच जीतने होते हैं. पंजाब के अभी 12 मैचों के बाद 17 अंक हैं, उसका नेट रन रेट 0.389 का है. अगले 2 मैच उसके दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के विरुद्ध है.

योगी आदित्यनाथ के साथ काम करेंगे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वैसे तो इन दिनों आईपीएल खेलने में बिजी हैं. लेकिन, इस बीच उन्हें लेकर एक बड़ी खबर आ रही है. ये खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके काम करने को लेकर जुड़ी है. दाएं हाथ के अनुभवी भारतीय गेंदबाज ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है. शमी ने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि वो उत्तर प्रदेश के आगे ले जाने की मुहिम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. अब सवाल है कि CM योगी आदित्यनाथ का काम क्या है, जिसमें मोहम्मद शमी उनका साथ देने और हाथ बंटाने को लेकर उत्साहित हैं. शमी के इंस्टा पोस्ट से जो पता चलता है, उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का जोर एक बेहतर समाज के निर्माण पर है. उन्होंने हर स्तर पर विकास और प्रगति की इच्छा जाहिर की है. CM योगी आदित्यनाथ की उसी मुहिम का हिस्सा अब मोहम्मद शमी भी बनना चाहते हैं. शमी ने कहा हम एक होकर काम करेंगे तो सपनों को साकार कर सकते हैं. मोहम्मद शमी से ष्टरू योगी ने ये बातें तब शेयर की, जब वो उनसे मिलने पहुंचे थे. फिलहाल, तो मोहम्मद शमी आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं, जहां वो सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं. मोहम्मद शमी और उनकी नई टीम सनराइजर्स, दोनों के लिए ये सीजन उतना अच्छा रहा नहीं. शमी ने इस सीजन अब तक खेले 9 मैचों में सिर्फ 6 विकेट हासिल किए हैं.

भारत को हराने के लिए इस अंग्रेज ने दारू से कर ली तौबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कड़ी मशक्कत शुरू कर दी है। इसके लिए वह स्वःनियंत्रण पर भी काम कर रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने दारू से तौबा कर लिया है।

दअसल, बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ सीरीज और एशेज के लिए फिट रहने के लिए फिटनेस के रास्ते पर चलना शुरू किया है। इसकी शुरुआत उन्होंने शराब से दूरी बनाकर की है। चोट के कारण बेन स्टोक्स को छोड़ने पड़े हैं कई मुकाबले बेन स्टोक्स ने 'शराब छोड़ दी' ताकि वह इंग्लैंड से खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हो सकें। बेन स्टोक्स को लगता है कि पिछली चोटों में उस रात की बड़ी भूमिका हो सकती है, जब उन्होंने साथियों के साथ शराब पी थी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर ने दिसंबर 2024 में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी कराई थी। अगस्त में 'द हंड्रेड' के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी। इस कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर होना पड़ा।

बाद में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए भी वह पूरी तरह से फिट नहीं थे। हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई।

बेन स्टोक्स ने 2 जनवरी से नहीं पी शराब

इंग्लैंड का घरेलू सत्र जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से शुरू होगा। इसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की एक कठिन सीरीज होनी है। इंग्लैंड के घरेलू सत्र का समापन 6 महीने बाद एशेज सीरीज के साथ होता है। बेन स्टोक्स के हवाले से लिखा है कि उन्होंने 2 जनवरी से शराब नहीं पी है.

आईपीएल में सबसे लंबे खिलाड़ी की एंट्री

प्लेऑफ में पहुंचते ही आरसीबी ने चला मास्टरस्ट्रोक, बाबर आजम को 5 बार किया है आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। लो भइया आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचे नहीं कि आरसीबी ने चल दिया मास्टर स्ट्रोक. टीम में ले आया उस खिलाड़ी को, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे लंबे खिलाड़ियों में होती है. और, जिसका नाम है ब्लेसिंग मुजरबानी. 28 साल के मुजरबानी, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज हैं और आरसीबी की ओर से आईपीएल 2025 का प्लेऑफ खेलने आए हैं.

आरसीबी ने उन्हें लुंगी एन्गिडी के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है. ब्लेसिंग मुजरबानी की हाईट 6 फीट 8 इंच बताई जाती है. अब इस हिसाब से ये भी उतने ही लंबे हुए जितने कि मार्को यानसन. उनकी भी लंबाई 6 फीट 8 इंच है. इस तरह से ये दोनों मौजूदा क्रिकेट के दो सबसे लंबे खिलाड़ी हैं. आरसीबी में जिनकी एंट्री है वो ब्लेसिंग मुजरबानी हैं. यानी वो तेज गेंदबाज जिनके आगे क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के सबसे बड़े बल्लेबाज बाबर आजम के भी पांव

कांपते हैं.

लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस करेंगे मुजरबानी

खैर, मुजरबानी और बाबर आजम का किस्सा हम बताएंगे. पहले जरा ये जान लीजिए कि उन्होंने लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस क्यों किया?ऐसा इसलिए क्योंकि डब्ल्यूटीसी फाइनल को देखते हुए साउथ अफ्रीका ने अपने सभी खिलाड़ियों को 26 मई तक आईपीएल से वापस बुलाया है. लुंगी एन्गिडी भी साउथ अफ्रीका के प्रमुख गेंदबाज हैं, जो कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस टीम का अहम चेहरा होंगे. हालांकि लुंगी एन्गिडी आरसीबी के लिए उसका अगला मैच खेलेंगे, जो कि 23 मैच को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेंगलुरु में है. मतलब ये कि मुजरबानी अगले मैच में आरसीबी के लिए खेलते नहीं दिखेंगे. मगर उसके आगे आखिरी ग्रुप स्टेज मैच और फिर प्लेऑफ में मुजरबानी का फायदा उठा सकती है.

आइए अब आपको बताते हैं कि 6 फीट 8 इंच लंबे ब्लेसिंग मुजरबानी के आगे पाकिस्तान के सबसे बड़े बल्लेबाज बाबर आजम के पांव कैसे कांपते हैं. अभी तक मुजरबानी इंटरनेशनल क्रिकेट में बाबर को 5 बार आउट कर चुके है, जो कि उनके हावी होने का सबसे बड़ा सबूत है. इस दौरान बाबर आजम ने उनके खिलाफ 105 गेंदों में 106 रन 21. 20 की बेहद मामूली औसत से बनाए हैं.

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच BCCI ने PCB को दिया बड़ा झटका

एशिया कप खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियाई क्रिकेट परिषद के सभी आयोजनों से फिलहाल दूरी बनाने का फैसला किया है।

सूचित किया है कि वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाले वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप से हट रहा है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान में ACC का नेतृत्व पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी कर रहे हैं, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट को अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा है।

भारतीय टीम उस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती, जिसका

आयोजन एसीसी कर रही हो और जिसका प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री हो। यह देश की भावना है। हमने एसीसी को मौखिक रूप से वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप से हटने की जानकारी दे दी है, और भविष्य में उनके आयोजनों में हमारी भागीदारी भी फिलहाल रुकी हुई है। हम भारतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं।

क्या नहीं होगा एशिया कप का आयोजन?

इस रुख से सितंबर में भारत में होने वाले पुरुष एशिया कप पर सवालिया निशान लग गया है। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं, लेकिन अब इसे स्थगित किए जाने की संभावना है।

सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई को पता है कि भारत के बिना एशिया कप का आयोजन व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के अधिकांश प्रायोजक भारत से हैं। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बिना एशिया कप प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा, जो इस टूर्नामेंट की वित्तीय सफलता का प्रमुख हिस्सा है।

2024 में एशिया कप के प्रसारण अधिकार सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अगले आठ वर्षों के लिए 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हासिल किए थे। यदि इस बार टूर्नामेंट नहीं होता, तो इस सौदे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

CC के पांच पूर्ण सदस्य- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान को प्रसारण राजस्व का 15 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि बाकी राशि सहयोगी और संबद्ध सदस्यों में वितरित की जाती है।

हर मोर्चे पर फिसड्डी साबित हुआ है पाकिस्तान

पिछले साल 2023 में भी एशिया कप भारत-पाकिस्तान स्थिति से प्रभावित हुआ था। पाकिस्तान द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने सीमा पार करने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने सुनिश्चित किया कि भारत अपने मैच श्रीलंका में खेले। पीसीबी के लिए यह आयोजन निराशाजनक रहा, क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंच सका और भारत ने कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबला जीता।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लैट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पतली लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

बाबिल की कंट्रोवर्सी पर बोले अमित साध

फिल्म 'पुणे हाइवे' को लेकर अमित साध इन दिनों चर्चा में हैं। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा ने इस फिल्म को निर्देशित किया है। अमित साध के अलावा इस फिल्म में जिम सरभ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर ही अमित साध ने बातचीत की। अपने करियर से जुड़ी कई बातें भी साझा कीं। साथ ही बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी पर भी अपनी राय रखी।

बाबिल के बारे में ये कहा

अमित साध का मानना है कि जिंदगी किसी के लिए भी आसान नहीं है। बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी से वह इस बात को जोड़ते हैं। अमित साध कहते हैं, 'क्या हुआ उसने एक पोस्ट ही तो की है, अभी वो बच्चा है। जो लोग उसे टारगेट कर रहे हैं, वो खुद को देखें कि उन्होंने क्या कांड किए हैं। मैं जानता हूं कि बाबिल खान का परिवार उसके साथ खड़ा है, उसको सपोर्ट कर रहा है, उसे प्यार दे रहा है। देखिएगा, वह शानदार कमबैक करेगा। मैं भी उसके साथ काम करना चाहता हूं, फिल्म करना चाहता हूं, उसे बताना चाहता हूं कि वह कितना स्पेशल है।' बताते चलें कि कुछ दिन पहले इरफान खान के बेटे बाबिल खान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह रोते दिखे और बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी को फेक बताते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। एक दिन बाद बाबिल की टीम ने सफाई दी कि उन्हें एंग्जायटी अटैक पड़ते हैं और उनकी बातों का गलत मतलब लिया गया है। इस कारण से बाबिल को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया।

अमित बोले मैं भी बहुत कमजोर था

अमित साध यह भी बताते हैं कि जब आप इस इंडस्ट्री में आते हैं तो आपको तैयार रहना चाहिए कि लोग आपको जज करेंगे। वह कहते हैं, इस बात का असर आपके ऊपर हो सकता है, आप अलग-अलग तरह की चीजें सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, गिरने की तरफ बढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर आपके आसपास लोग ऐसे हैं, तो आपको सपोर्ट करते हैं तो आप बच जाते हैं। मैं भी बहुत कमजोर इंसान था, मुझे जल्दी ठेस पहुंच जाती थी। हां, अब मैं काफी मजबूत हूं। मेरी जिंदगी में अच्छे लोग आए, उनकी सलाह मैंने मानी।

फिल्म 'पुणे हाइवे' की क्या है कहानी

अमित साध की फिल्म 'पुणे हाइवे' की बात करें तो यह एक थ्रिलर ड्रामा है। इसमें तीन दोस्त हैं, जो एक मर्डर होने के बाद अलग-अलग तरह से प्रभावित होते हैं। फिल्म में अमित साध, जिम सरभ के अलावा स्मिता डोगरे, स्वप्निल अजगांवकर और मंजरी फडणीस जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी नो एंट्री 2

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ से जुड़ी एक खबर सामने आई है। खबर है कि उन्होंने नो एंट्री फिल्म के सीक्वल से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। मेकर्स से क्रिएटिव मतभेद के कारण उन्होंने क्विट करने का फैसला लिया है। मार्च 2024 में ऐलान हुआ था कि दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ अहम रोल में नजर आएंगे। दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड थे। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से वो फिल्म क्रिएटिव के आइडिया से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने क्रिएटिव मतभेद के कारण इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया। हालांकि, चमकीला फिल्म के एक्टर ने अभी तक इस पर कोई अपडेट नहीं दिया है। प्रोड्यूसर्स भी चुप्पी साधे हुए हैं।

दिलजीत के फैंस हुए खुश!

जैसे ही ये खबर सामने आई, दिलजीत के फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि सिंगर ने फिल्म का हिस्सा ना बनने का अच्छा फैसला लिया है। एक यूजर ने लिखा, उन्हें पहले ही ये प्रोजेक्ट नहीं लेना चाहिए था। दूसरे ने लिखा, अच्छा हुआ कि उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। वो इन फिल्मों में फिट नहीं बैठते। दूसरे ने लिखा, अगर ऐसा है तो स्क्रिप्ट शायद एक रूढ़िवादी पंजाबी सरदार व्यक्ति की हो सकती थी।

20 साल पहले रिलीज हुई थी नो एंट्री

बता दें कि साल 2005 में नो एंट्री फिल्म आई थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान थे। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। वे ही सीक्वल का डायरेक्शन भी करेंगे। निर्माता बोनी कपूर ने कथित तौर पर कहा था कि नई फिल्म में ऑरिजनल स्टार्स काम नहीं करेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए 10 फीमेल एक्ट्रेसेस को चुनने का प्रोसेस चल रहा है। उन्होंने कहा था, वो चैप्टर (पुरानी स्टार कास्ट का) खत्म हो चुका है। अब फिल्म में दिलजीत, वरुण और अर्जुन हैं। वरुण और अर्जुन सबसे अच्छे दोस्त हैं और दिलजीत कॉमेडी में शानदार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ये एक अच्छा और दिलचस्प मेल है।

मिथुन के बेटे नमाशी ने बॉलीवुड को कहा फेक, आउटसाइडर को काम ना देने पर बिफरे

दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा समय बिताया है। नाम, पैसा और शोहरत... सबकुछ मिला। पर अब उनके बेटे नमाशी ने बॉलीवुड के काले सच का खुलासा किया है। उन्होंने इंडस्ट्री को फेक बताया और आउटसाइडर्स को मौका ना देने के लिए मेकर्स की आलोचना भी की और पक्षपात का आरोप लगाया। नमाशी चक्रवर्ती ने कमलक्ष शेट्टी के साथ हूज ऑन एयर से बातचीत के दौरान कहा कि उनके पिता मिथुन चक्रवर्ती बॉलीवुड की अन्य हस्तियों की तरह नहीं हैं। वो बोले, बॉलीवुड के लोग बहुत नकली होते हैं, मेरे पिता एक बहुत बड़ा अपवाद हैं।

पापा ने खुद अपनी इंडस्ट्री बनाई कभी सपोर्ट नहीं मिला

मिथुन को सरल, विनम्र और ईमानदार बताते हुए नमाशी ने कहा, जब 1990 के दशक के मध्य में उनका करियर ढलान पर था, तब उन्होंने ऊटी में करीब 100 कम बजट की एक्शन फिल्में कीं। उन्हें बी-ग्रेड एक्टर कहा जाता था। उन्होंने अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई, लेकिन मीडिया ने कभी उसका समर्थन नहीं किया, उनके अपने फेवरेट हैं।

आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया बॉलीवुड

बॉलीवुड में अक्सर इनसाइडर्स वर्सेस आउटसाइडर्स की लड़ाई चलती है। इसको लेकर वो बोले, बॉलीवुड आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया है। आज ये सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसे जानते हैं... आपका बैकग्राउंड, आपका सरनेम और आपके कनेक्शन। पहले के दिनों में जिस किसी के भी पास टैलेंट होता था, वो इंडस्ट्री में सफल हो सकता था। आज अगर मिथुन चक्रवर्ती बंगाल से आते हैं तो मुझे नहीं लगता कि बॉलीवुड उन्हें लॉन्च करने या मौका देने के लिए एक्साइटेड होता। हम टैलेंट नहीं देखते हैं, हम सरनेम देखते हैं। दो साल पहले किया था डेब्यू नमाशी ने साल 2023 में बैड बॉय से बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, ये फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, वो अगली बार महेश भट्ट के एक प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं।

नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री, मंदोदरी के किरदार में आएंगी नजर

फिल्म रामायण का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसकी तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर नजर आएंगे। वहीं साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। यश रावण का रोल अदा करने वाले हैं। अब कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए मंदोदरी की तलाश भी पूरी हो गई है और एक साउथ एक्ट्रेस को चुना गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री हो गई है। वे इसमें रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्हें सुपरस्टार यश के अपोजिट देखा जाएगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि फिल्म के लिए काजल ने शूटिंग भी शुरू कर दी है।

पहले साक्षी तंवर के नाम की थी चर्चा

मेकर्स को मंदोदरी के किरदार के महत्व को देखते हुए यश के अपोजिट एक मजबूत ऑन-स्क्रीन जोड़ी की तलाश थी। मेकर्स एक अच्छी हीरोइन की तलाश करने की कोशिशों में जुटे थे। पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अभिनेत्री साक्षी तंवर फिल्म में मंदोदरी का किरदार निभा सकती हैं। मगर अब काजल अग्रवाल पर आकर तलाश पूरी हुई है।

इस वजह से काजल को किया गया साइन

मेकर्स ने फिल्म में मंदोदरी के लिए बॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा तक कई अभिनेत्रियों की तलाश की। तब जाकर काजल अग्रवाल को फाइनल किया गया है। बॉलीवुड से साउथ तक उनकी लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने यह फैसला लिया। फिल्म रामायण में सनी देओल को हनुमान के रोल में देखा जाएगा। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला पार्ट साल 2026 में दिवाली के अवसर पर आएगा। वहीं दूसरा पार्ट साल 2027 में रिलीज होगा।

द रॉयल्स के लिए भूमि पेडनेकर ही थी पहली पसंद

ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की सीरीज द रॉयल्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में शामिल सभी कलाकारों के किरदार लोगों को खुद से जोड़ पाने में सफल रहे हैं। भूमि हर बार की तरह इस बार भी अपने किरदार से दर्शकों के दिलों में उतर गई। एक्ट्रेस को सीरीज में कास्ट करने के बारे में निर्देशक प्रियंका घोष ने खुलकर बात की और उन्हें चुनने के पीछे अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि इस सीरीज के लिए उनकी पहली पसंद भूमि पेडनेकर ही थीं। सीरीज में भूमि पेडनेकर ने सोफिया शेखर का किरदार निभाया है, जो एक महत्वाकांक्षी लड़की है और अपनी कंपनी रॉयल और बीबी को टॉप पोजीशन पर पहुंचाने के लिए एड़ी से चोटी का दम लगाती है।

प्रियंका ने कहा, सोफिया के किरदार को जल्दबाजी और तुरंत फैसले लेने की आदत है। मेरे लिए इस किरदार के लिए भूमि ही सही एक्ट्रेस थीं। मुझे भरोसा था कि वह इस स्वभाव को इस तरह निभा सकती हैं, जो ज्यादा जोरदार या नकारात्मक लगने के बजाय बल्कि स्क्रीन पर स्वाभाविक और समझदारी भरा लगे। भारत में अक्सर सशक्त और अधिकार जताने वाली महिलाओं को लोग आसानी से स्वीकार नहीं करते, यह एक सामाजिक सच्चाई है। भूमि के अंदर कोमलता और संवेदनशीलता है, जिससे वह इस किरदार को संतुलन दे सकती हैं। सोफिया में कई कमियां हैं, पर भूमि ही ऐसी हैं जो इस तरह के किरदार को भी दर्शकों के लिए पसंदीदा बना सकती हैं।

इस सीरीज में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, साक्षी तंवर, विहान समत, काव्या त्रेहान, चंकी पांडे, नोरा फतेही, उदित अरोड़ा, लीसा मिश्रा, सुमुखि सुरेश और डिनो मोरिया भी शामिल हैं। सीरीज में डिनो की कॉमिक टाइमिंग और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी है, जो कहानी में ताजगी का तड़का लगाने का काम करती है। अपने रोल को लेकर डिनो मोरिया ने कहा है कि वे शो के किरदार में अपने आप की ही झलक दिखा रहे थे। डिनो मोरिया ने अपने किरदार के बारे में जानकारी दी और बताया कि उन्हें एक सनकी किरदार सलाहुद्दीन को निभाने में बहुत मजा आया। यह किरदार मेरी असली जिंदगी के स्वभाव से काफी मिलता-जुलता है।

उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक मजेदार सफर रहा। शूटिंग के दौरान मैंने खूब मजे किए, हंसी-मजाक किया और सेट पर समय का आनंद लिया। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे यह अवसर देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं कैमरे के सामने खुद को पेश कर रहा था। अपनी किरदार के जैसा मैं असल जिंदगी में हूं, मुझे यह काफी पसंद आया। यह मजेदार और खुशमिजाज था।

इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को बताया टीवी से भी बदतर

अनुराग कश्यप बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, वेब सीरीज की दुनिया में भी वह 'सेक्रेड गेम्स' जैसी सीरीज को निर्देशित कर चुके हैं। हाल ही में अनुराग का गुस्सा कुछ नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर फूटा है। इनमें से कुछ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ वह पहले काम भी कर चुके हैं। जानिए, क्या बोले अनुराग कश्यप। हाल ही में एक बातचीत में अनुराग कहते हैं, 'जब हमने सेक्रेड गेम्स और लस्ट स्टोरीज की, तब नेटफ्लिक्स भारत में आया था, हमें लगा कि यह एक अच्छा मौका है। हमने उनके साथ बहुत अच्छा काम किया। फिर धीरे-धीरे सबकुछ बदल गया। कोविड के बाद अब वे जो कर रहे हैं, वह तो टेलीविजन से भी बदतर है। आप इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जाते हैं और वे आपको बेवकूफ बना रहे हैं। आखिर में ये सभी कंपनियां चाहे नेटफ्लिक्स हो, अमेजन या एप्पल हो भारत आ रही हैं क्योंकि इन्हें हमारा डाटा चाहिए। आज के जमाने में डाटा, तेल (इंधन वाला तेल) की तरह की कीमती है।' अनुराग आगे कहते हैं, 'ये लोग हमारी अधिक से अधिक आबादी को अपना सब्सक्रिप्शन बेचना चाहते हैं। सभी लोगों तक पहुंचना चाहते हैं। वे किसी को नाराज नहीं करना चाहते। ऐसे में ये लोग सिनेमा नहीं बनाना चाहते, बस कंटेंट बना रहे हैं। ये स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इस बात से खुश हैं कि लोग सड़क पर चलते हुए फोन में इनके शो देख रहे हैं।'

अनुराग कश्यप ने कुछ वक्त पहले खुलासा किया था कि उनकी वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स 3' को नेटफ्लिक्स ने रद्द कर दिया था। दरअसल, सीरीज 'तांडव' को मिली आलोचना के बाद नेटफ्लिक्स ने यह फैसला लिया था। इसके अलावा 'मैक्सिमम सिटी' नाम का एक प्रोजेक्ट अनुराग कर रहे थे, उसे भी रद्द कर दिया गया है। यही कारण है कि अनुराग नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से नाराज हैं।

अनुराग कश्यप अभिनय में भी उतर चुके हैं पिछले कुछ समय से अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' रिलीज का इंतजार रही है, इस बात से वह काफी दुखी हैं। इसके अलावा वह मुंबई छोड़कर अब दक्षिण भारत में जाकर रहने लगे हैं। इन दिनों साउथ की कई फिल्मों में विलेन के रोल में भी नजर आ रहे हैं। साउथ फिल्म 'महाराजा(2024)' में वह नजर आए थे, इसमें भी नेगेटिव रोल अनुराग ने किया था। इस साल भी वह कुछ साउथ की फिल्मों में एक्टिंग कर रहे हैं।

राजू और श्याम तो रहेंगे पर बदल जाएंगे 'बाबू भैया'!

बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों में से एक 'हेरा फेरी' का तीसरा भाग लंबे समय से सुर्खियों में बना हुआ है। फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब राजू, श्याम और बाबू भैया की तिकड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी। लेकिन अब फैंस को बड़ा झटका लगा है। परेश रावल ने छोड़ी हेरा फेरी 3

दरअसल रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 को छोड़ दिया है। जी हां, एक्टर अब अपने फेमस किरदार बाबूराव के रूप में फैंस को एंटरटेन करते हुए नजर नहीं आएंगे। इस खबर के सामने आते ही फैंस हैरान रह गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परेश रावल ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते फिल्म को अलविदा कहा है। वो फिल्म की स्क्रिप्ट से खुश नहीं थे इसलिए उन्होंने फिल्म को छोड़ना ही बेहतर समझा। रिपोर्ट की मानें तो परेश रावल इस सीक्वल को लेकर काफी असमंजस में थे और अंत में उन्होंने इससे हटने का फैसला ले लिया।

सूत्रों के मुताबिक अब भी अगर बातचीत सही दिशा में जाती है, तो परेश को मनाया जा सकता है।

एसीईओ संजय खत्री ने किया सेक्टर 14ए गौशाला का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार

खत्री ने सैक्टर-14ए स्थित गौशाला का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ जन स्वास्थ्य विभागके महा प्रबंधक एसपी सिंह तथा खंड-2 के वरिष्ठ महाप्रबंधक आरके शर्मा भी मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में सफाई, संरचनात्मक मरम्मत, गौवंशों की देखभाल एवं स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़ी कमियों को चिन्हित किया गया और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। यह पहल नौएडा प्राधिकरण की समर्पित पशु कल्याण नीति व स्मार्ट सिटी के तहत जिम्मेदार शहरी प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक (जन स्वास्थ्य, एस0पी0 सिंह, परियोजना अभियन्ता (जन स्वा0)-द्वितीय, आर0के0 शर्मा एवं गौशाला कं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस दौरान सैक्टर-14ए की गौशाला में सफाई व्यवस्था ठीक नही पाई गई। सफाई व्यवस्था ठीक प्रकार से कराने हेतु निर्देशित किया गया। सैक्टर-14ए गौशाला में जगह-जगह टूट-फूट एवं पुलिया क्षतिग्रस्त पाई गई जिन्हे तत्काल मरम्मत करने हेतु वर्क सर्किल-1 को निर्देशित किया गया। सैक्टर-14ए गौशाला में संरक्षित किये गये गौवंशों में गाय तथा बछड़ों को अलग-अलग बाड़े में रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया। सैक्टर-14ए गौशाला में संरक्षित किये गये गौवंशों के बछड़ों को अलग बाड़े में रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया। गौशाला की नालियों में कूड़ा एवं गोबर पाया गया जिन्हे नियमित रूप से सफाई कराने हेतु निर्देशित किया गया। एक बाड़े में विद्युत Earthing पाई गई। विद्युत विभाग से आज ही ठीक कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। तीन गायों में Skin एलर्जी पाई गई। उन्हें तत्काल अलग बाड़े में रख कर उपचार कराने के निर्देश दिये गये। गौशाला की क्षतिग्रस्त फेसिंग की मरम्मत कराने के निर्देश दिये गये।

विधायक के समक्ष रखीं आरडब्ल्यूए की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) और नोएडा की विभिन्न आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक माननीय विधायक पंकज सिंह के साथ आयोजित की गई। इस बैठक में 60 से अधिक सेक्टरों के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि मौजूद रहे। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने विधायक पंकज सिंह को अवगत कराया कि नोएडा के कई सेक्टरों में विकास कार्यों की उपेक्षा हो रही है।

फोनरवा महासचिव के.के. जैन ने कहा कि सड़कों की मरम्मत, जल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से निवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक पंकज सिंह ने सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना, नोट किया और आश्वासन दिया कि इन सभी मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को आरडब्ल्यूए कि समस्याओं को तत्काल समाधान के लिए मीटिंग के दौरान ही आवश्यक निर्देश दिए और बताया कि प्राधिकरण के अधिकारी जल्दी ही सेक्टरों का दौरा कर आरडब्ल्यूए व निवासियों से सीधा संवाद कर समस्याओं का समाधान करेंगे।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, कोषाध्यक्ष पवन यादव,अशोक कुमार मिश्रा, विजय भाटी, दिनेश भाटी, देवेंद्र सिंह, डॉ जी एस सचदेवा, भूषण शर्मा, ओपी राघव, सुमित कुमार, कोशिन्दर यादव, देवेंद्र सिंह, श्रीमती अनीता, आनंद चौहान, गोपाल शर्मा, देवेंद्र कुमार, आर के सिंह, डॉ तरसेम चंद, परेश गुप्ता,राज सिंह, प्रवीण सिंह, भंवर सिंह, सोमदत्त न्यायवान, श्रीमती कविता जमील, डॉ प्रियंका चौधरी, श्रीमती श्यामा पॉल, विकास चौधरी समेत सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद थे।

प्राधिकरण ने तीन दुकानों से जब्त की 500 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग ने वाजिदपुर गांव में अभियान चलाकर तीन दुकानों में निरीक्षण के दौरान 500 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया।

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने बताया कि वाजिदपुर गांव में मां दुर्गा बर्तन भंडार, दीपक जनरल स्टोर, श्रीकृष्णा इंटरप्राइजेज तथा एक अन्य सप्लायर से करीब 500 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की गई। इस दौरान दुकानदारों को चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करते पाया गया तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद जब्त किए गए प्लास्टिक को दो ट्रैक्टर ट्राली के जरिए वहां से ले जाया गया। इस अभियान में जन स्वास्थ्य विभाग के खंडी-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल तथा अन्य कर्मचारी मौजूद थे। मालूम हो कि नोएडा प्राधिकरण का जन स्वास्थ्य विभाग पिछले दो हफ्ते से सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है।

भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर की बहनों द्वारा भारतीय सेना के अदम्य, साहस, शौर्य के प्रत्यक्ष प्रमाण 'ऑपरेशन सिंदूर' की अभूतपूर्व सफलता का उत्सव सामूहिक रूप से समाज में मनाने के लिए एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमान सोमगिरि ने किया। इस तिरंगा यात्रा में विद्यालय की सभी बहनों, आचार्य बंधु व बहनों ने भाग लिया। यात्रा विद्यालय से शुरू होकर विभिन्न सेक्टरों से होकर निकली तो कॉलोनीवासियों ने बालिकाओं के इस सकारात्मक कदम को सराहा तथा सभी ने तालियों और पुष्प-वर्षा से बच्चों का स्वागत किया और उत्साह बढ़ाया।

योग, ज्योतिष और ललित कला का दिखा अनूठा संगम

नोएडा (चेतना मंच)। कलांतर आर्ट फाउंडेशन नोएडा द्वारा

आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में योग, ज्योतिष और ललित कला का अनुपम संगम देखने को मिला। यह कार्यक्रम श्री हरि नारायण सेवा संस्थान, पालघर (मुंबई, महाराष्ट्र) के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न कलाओं में अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात ज्योतिषाचार्य श्री महेंद्र मिश्रा जी ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की ऊर्जा और समर्पण देखकर यह स्पष्ट है कि कला, योग और ज्योतिष जैसे प्राचीन विधाएं पुन: समाज में प्रभावी हो रही हैं।

विशेष अतिथि ब्रह्मर्षि योगीराज भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज, पालघर (महाराष्ट्र) से विशेष रूप से पधारे। उन्होंने बच्चों को 'कला योग' के साथ-साथ 'ब्यूटी योग' की विशेष शिक्षा दी, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास और आंतरिक सौंदर्य का विकास हो सके। कार्यक्रम के बीच में 'नासूरी वादन' और अंत में 'माउथ ऑर्गन' पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति ने उपस्थित सभी जनों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के चेयरमैन विशाल श्रीवास्तव ने किया और डायरेक्टर श्रीमती पूजा श्रीवास्तव ने संस्था की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

हीट वेव से बचें, दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर न निकलें

प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी, दिये खास निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने नागरिकों को सचेत रहने के लिए कहा है। अनुमान के मुताबिक पारा 45 डिग्री के पार जा सकता है। 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक घर या दफ्तर से बाहर न निकलने में सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जिला आपदा विशेषज्ञ गौतमबुद्धनगर ने जनसामान्य को बताया कि जनपद में बढ़ते तापमान के चलते लू और गर्म हवाओं के सम्पर्क में आने से बचें। गर्म हवा के सम्पर्क में आने से लू लग सकती है, इसीलिए ऐसे में अपना विशेष ध्यान रखे तथा लू लगने पर तुरन्त चिकित्सय सहायता अवश्य लें। हीटवेव को लेकर विद्यालयों में कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इसके साथ ही कारखाने में भी श्रमिकों में हीटवेव जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हीट वेव/लू से बचाव के लिए 'क्या करें, क्या न करें' के संबंध में जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा जनहित में एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि हीट वेव/लू के दौरान -

1-कड़ी धूप में बाहर निकलने से बचे, खासकर दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक के बीच।

2- गरम हवा के स्थिति जानने के लिये रेडियो सुने, टी0वी देखे, समाचार पत्र पर स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी लेते रहे।

3- जितने बार हो सके पानी पीये,प्यास न लगा हो तभी पानी पीये ताकि शरीर मे पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सके।

4- हल्के रगं के ढीले ढाले सूती वस्त्र पहने ताकि 'शरीर तक हवा पहुचे और पसीने को सोख कर' शरीर को ठंडा रखे।

5-धूप में बाहर जाने से बचे, अगर बहुत जरुरी हो तो गमछा, चश्में, छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से बाहर निकले।

6-शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करे, यह शरीर को निर्जलित कर सकते है।

7-यात्रा करते समय अपने साथ बोतल में पानी जरुर रखें। गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें।

8- गर्मी के दिनों में ओ0आर0एस0 का घोल पिये। अन्य घरेलू पेय जैसे, नीबू पानी, कच्चे आम का बना लस्सी आदि का प्रयोग करे, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो।

9- अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे, तो गर्मी से उत्पन्न हाने वाले विकारों, बीमारियों को पहचाने। तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सकीय परामर्श ले।

10- जानवरों को छायादार स्थान में रखें, उन्हे पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी दें।

11- अपने घर को ठंडा रखें, घर को पर्दे से ढक कर या पेन्ट लगाकर 3-4 डिग्री तक ठंडा रखा जा सकता है।

12- रात में अपने घरों की खिड़कियों को अवश्य खुली रखें।

13- कार्यस्थल पर पानी की समुचित व्यवस्था रखें।

14- फैन, ढीले कपड़े का उपयोग करे। ठंडे पानी से बार-बार नहाएं।